सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

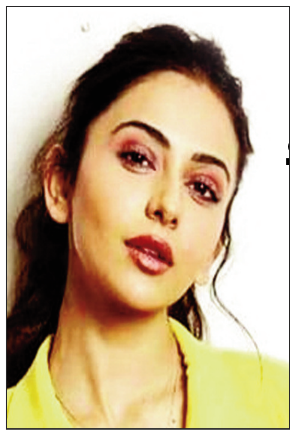

पीएम मोदी ने गंगा एक्सप्रेस वे का किया लोकार्पण पेज: 6

जैकी भगनानी के सिचुएशनशिप वाले बयान पर.... पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 29 | गुरूवार 30 अप्रैल 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

ई-रिक्शा से वोट डालने पहुंचीं महुआ मोइत्रा, बोलीं- लोकतंत्र बचाने की लड़ाई

कोलकाता (एजेंसी)। महुआ मोइत्रा ने बुधवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के दौरान मतदान कर चुनाव को 'लोकतंत्र बचाने की लड़ाई' बताया। नदिया जिले के करीमपुर गर्ल्स हाई स्कूल स्थित मतदान केंद्र पर वोट डालने के बाद उन्होंने चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए मतदाताओं से बड़ी संख्या में भागीदारी की अपील की। मोइत्रा ई-रिक्शा (टोटो) से मतदान केंद्र पहुंचीं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग ने उन्हें मोटरसाइकिल से आने की अनुमति नहीं दी थी, इसलिए उन्हें वैकल्पिक साधन का उपयोग करना पड़ा। मतदान के बाद उन्होंने आरोप लगाया कि बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं। उनके अनुसार, 'करीब 27 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं और जो लोग सूची में हैं, वे इस बार 100 प्रतिशत मतदान करेंगे। इसी वजह से मतदान प्रतिशत काफी अधिक रहने वाला है।' उन्होंने आगे कहा कि जनता इस बार 'बदले की भावना' के साथ वोट कर रही है और केंद्र सरकार व चुनाव आयोग को जवाब देगी। मोइत्रा ने इसे सीधे तौर पर लोकतंत्र की रक्षा की लड़ाई बताते हुए कहा कि लोगों में भारी आक्रोश है।

जमानत के बाद भी शिलॉन्ग में ही रहना होगा सोनम रघुवंशी को

शिलांग (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के इंदौर नगर के चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड में बड़ा मोड़ सामने आया है। मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी को करीब 320 दिन बाद जमानत मिल गई है। हालांकि, अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि वह बिना अनुमति शिलांग नहीं छोड़ सकतीं और ट्रायल के दौरान वहीं रहना होगा। मेघालय की राजधानी शिलांग की अदालत ने सोमवार को जमानत मंजूर की थी। इसके बाद मंगलवार को उनके पिता देवी सिंह शिलॉन्ग पहुंचे और जमानत की औपचारिकताएं पूरी कीं। मंगलवार शाम को ही सोनम जेल से रिहा भी हो गईं। रिहाई के बाद उन्होंने मीडिया के सवालों का कोई जवाब नहीं दिया और पिता के साथ वहां से चली गईं। यहां बताते चलें कि यह मामला उस समय चर्चा में आया था जब राजा रघुवंशी की हनीमून के दौरान हत्या कर दी गई थी। इस मामले में सोनम मुख्य आरोपी के तौर पर गिरफ्तार हुई थीं। अदालत ने चौथी सुनवाई के बाद सोनम को राहत दी है। जमानत का सबसे बड़ा आधार गिरफ्तारी प्रक्रिया में पाई गई खामियां रहीं। बचाव पक्ष ने दलील दी कि 7 जून 2025 को गाजिपुर में गिरफ्तारी के समय आरोपों की स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई थी। अदालत ने जांच के दस्तावेजों में गंभीर त्रुटियां पाईं और कहा कि यह प्रक्रिया कानून के अनुरूप नहीं थी। कोर्ट ने आर्टिकल 22(1) ऑफ द कॉन्सटिट्यूशन ऑफ इंडिया का हवाला देते हुए कहा कि किसी भी गिरफ्तार व्यक्ति को तुरंत गिरफ्तारी के कारण बताना अनिवार्य है। ऐसा न करना मौलिक अधिकारों का उल्लंघन माना जाएगा। इसी आधार पर अदालत ने सोनम को जमानत दी, लेकिन सख्त शर्तें भी लगाईं। उन्हें ट्रायल के दौरान शिलॉन्ग में ही रहना होगा और बिना अदालत की अनुमति शहर छोड़ने की इजाजत नहीं होगी। इस फैसले के बाद मामला एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। अब आगे की सुनवाई और ट्रायल की प्रक्रिया पर सभी की नजरें टिकी हैं।

भाजपा कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या, 16 राउंड फायरिंग से दहशत

पुणे (एजेंसी)। पूना के देहूरोड इलाके में मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात एक सनसनीखेज घटना में भाजपा कार्यकर्ता रमेश रेड्डी की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। इस वारदात के बाद इलाके में दहशत फैल गई और पुलिस ने जांच तेज कर दी है। जानकारी के अनुसार, रात करीब 9 बजे सवाना चौक पर मौजूद रमेश रेड्डी पर पहले से घात लगाए हमलावरों ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। हमलावरों ने करीब 16 राउंड गोलियां चलाईं, जिनमें से एक गोली उनके सिर में लगी। गंभीर रूप से घायल अवस्था में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद देहूरोड क्षेत्र में हड़कंप मच गया। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और परिजन मौके पर पहुंच गए। किसी भी अप्रिय स्थिति को देखते हुए पिंपरी-चिंचवड़ पुलिस ने इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया है।

भाई की हत्या से जोड़कर देखी जा रही वारदात

मीडिया रिपोर्ट में प्राथमिक जानकारी से खुलासा हुआ है कि रमेश रेड्डी भाजपा से जुड़े कार्यकर्ता थे। उनका नाम कुछ विवादित गतिविधियों में भी सामने आता रहा है। मटका कारोबार से जुड़े होने की चर्चा भी है, हालांकि फिलहाल यह कारोबार बंद बताया जा रहा है। इस हत्या का संबंध पिछले वर्ष उनके भाई विक्रम गुरुस्वामी रेड्डी की हत्या से भी जोड़ा जा रहा है। विक्रम रेड्डी की मौत जन्मदिन पार्टी के दौरान हुई गोलीबारी में हुई थी। उस मामले में आरोपी अभी जेल में हैं और उन्हें जमानत नहीं मिली है। इसके बावजूद पुलिस इस एंगल से जांच कर रही है कि क्या किसी समझौते को लेकर विवाद इस नई घटना की वजह बना।

गाजियाबाद की गौर ग्रीन सोसाइटी में भीषण आग

गाजियाबाद (एजेंसी)। ,उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के इंदिरापुरम स्थित गौर ग्रीन एवेन्यू सोसाइटी में बुधवार सुबह भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग इतनी तेज थी कि कुछ ही मिनटों में 9वीं मंजिल से उठी लपटें 13वीं मंजिल तक पहुंच गईं और काले धुएं का गुबार दूर से ही दिखाई देने लगा। आग लगने की सूचना मिलते ही सोसाइटी में अफरा-तफरी मच गई। लोग अपने फ्लैट छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। हालांकि समय रहते राहत एवं बचाव कार्य शुरू होने से बड़ी जनहानि टल गई। सीएम योगी आदित्यनाथ ने घटना का तुरंत संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही पुलिस आयुक्त और जिलाधिकारी को मौके पर पहुंचकर स्थिति की निगरानी करने को कहा गया। दमकल विभाग की करीब 20 गाड़ियों ने कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फिलहाल आग बुझाने के साथ ही प्रभावित बिल्डिंग को ठंडा करने का कार्य जारी है। प्रारंभिक जांच में आग 9वीं मंजिल से शुरू होने की बात सामने आई है। आग शॉर्ट सर्किट से लगी या कोई कारण रहा अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है।

राजनाथ का बयान, आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को 'शर्मनाक क्लीन चिट'

अमेरिका के दबाव में पीएम मोदी के इशारे पर दिया गया बयान

नागपुर (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। नई दिल्ली में कांग्रेस ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पर गंभीर आरोप लगाकर कहा कि उन्होंने शंघाई सहयोग संगठन (शंघाई सहयोग संगठन) के सम्मेलन में आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को ÷शर्मनाक क्लीन चिट÷ दे दी। कांग्रेस पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि यह रुख प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उस नीति का हिस्सा है, जिसमें अमेरिका को संतुष्ट करने और चीन के सामने संतुलित समर्पण दिखाने की कोशिश हो रही है।

दरअसल, रक्षा मंत्री सिंह ने एससीओ सम्मेलन में कहा था कि 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत के दृढ़ संकल्प को दर्शाता है और अब आतंकवाद के केंद्रों को सजा से छूट नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि आतंकवाद की कोई राष्ट्रीयता या धर्म नहीं होता और किसी भी प्रकार की शिकायत-चाहे वास्तविक हो या काल्पनिक-आतंकवाद को सही ठहराने का आधार नहीं बन सकती।

रक्षा मंत्री सिंह के बयान पर प्रतिक्रिया देकर कांग्रेस नेता रमेश ने आरोप लगाया कि यह बयान प्रधानमंत्री मोदी की स्वीकृति और निर्देश पर दिया गया है और इस बयान से पाकिस्तान को अप्रत्यक्ष रूप से राहत मिलती है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या पाकिस्तान आतंकवाद का केंद्र नहीं है, क्या वहां भारत के खिलाफ काम करने वाले आतंकी शिविर नहीं हैं, और क्या भारत-विरोधी विचारधारा को वहां बढ़ावा नहीं मिलता है।

कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि मुंबई आतंकी हमला 2008 और पहलगाम से जुड़े आतंकी हमलों की साजिश में भी पाकिस्तान से जुड़े तत्वों की भूमिका रही है।

कांग्रेस नेता ने तुलना की कि यह स्थिति जून 2020 जैसी है, जब भारत-चीन तनाव के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के बयान को लेकर विपक्ष ने सवाल उठाए थे। उनके अनुसार, उस समय भी चीन को ÷क्लीन चिट÷ देने का आरोप लगा था। कुल मिलाकर, कांग्रेस ने मोदी सरकार पर विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर कमजोर रुख अपनाने का आरोप लगाया है, जबकि मोदी सरकार की ओर से इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

बंगाल चुनाव : बीजेपी के ईवीएम बटन पर टेप लगाया, सुवेंदु चोर के लगे नारे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल चुनाव के दूसरे चरण की 142 सीटों पर मतदान जारी है। दोपहर एक बजे तक 61.11फीसदी वोट डाले जा चुके थे। वोटिंग के दौरान कई विधानसभा क्षेत्रों से ईवीएम से छेड़छाड़, मारपीट, झड़प और नारेबाजी की घटनाएं सामने आई। बीजेपी का आरोप है कि डायमंड हार्बर के फाल्टा में ईवीएम में बीजेपी के बटन पर टेप लगाकर ब्लॉक किया गया। चुनाव आयोग ने कहा है कि जिन मतदान केंद्रों पर ईवीएम में काले या सफेद टेप मिलने की शिकायत मिली है, वहां दोबारा चुनाव होंगे।

फाल्टा में सुरक्षाकर्मियों ने हंगामा कर रहे लोगों पर लाठीचार्ज किया। साउथ 24 परगना जिले में बीजेपी उम्मीदवार विकास सरदार ने टीएमसी कार्यकर्ताओं पर उनकी कार का शीशा तोड़ने का आरोप लगाया। उनके सुरक्षाकर्मी की बंदूक छीनने की कोशिश भी की गई। वहीं भवानीपुर में सीएम ममता के खिलाफ चुनाव लड़ रहे बीजेपी उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी को घेरकर टीएमसी समर्थकों ने चोर-चोर के नारे लगाए। सुवेंदु पोलिंग बूथ का निरीक्षण करने पहुंचे थे। पहले फेज की 152 सीटों पर 23 अप्रैल को रिकॉर्ड 93फीसदी मतदान हुआ है। 4 मई को रिजल्ट आएंगे।

बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा है कि जिन मतदान केंद्रों पर ईवीएम में काले या सफेद टेप मिलने की शिकायत मिली है, वहां दोबारा मतदान कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर किसी एक विधानसभा क्षेत्र में बड़ी संख्या में बूथों पर ऐसी शिकायतें सामने आती हैं, तो पूरे विधानसभा क्षेत्र में ही दोबारा मतदान कराया जाएगा। आरामबाग से टीएमसी सांसद मिताली बाग व्हीलचेयर पर वोट देने पहुंची। 27 अप्रैल को मिताली बाग ने आरोप लगाया था कि चुनाव प्रचार के दौरान उनकी कार पर बीजेपी कार्यकर्ताओं ने हमला किया था। घटना के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

लोगों की भीड़ देख साफ हो गया कि पहले चरण का रिकॉर्ड भी टूटेगा

-बीजेपी नेता मिथुन ने डाला वोट कहा-बंगाल में बदलाव की आने वाली है बाढ़

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल चुनाव के दूसरे चरण के मतदान में बुधवार को सात जिलों की 142 सीटों पर सुबह से ही मतदान जारी है और आम लोगों से लेकर मंत्री और सांसद भी वोट डालने पहुंच रहे हैं। इसी बीच अभिनेता से नेता बने मिथुन चक्रवर्ती भी अपना वोट डालने पहुंचे और साफ किया कि इस बार बंगाल में बदलाव की बाढ़ आने वाली है। वोट देने के बाद मिथुन ने विश्वास दिलाया कि चुनाव पूरे निष्पक्ष तरीके से हो रहे हैं और सुरक्षा का भी पूरा ध्यान रखा गया है। वोटिंग शेयर बढ़ने के सवाल पर उन्होंने कहा कि जो लोगों की भीड़ देख रहा हूं, उससे साफ है कि पहले चरण का रिकॉर्ड भी टूटेगा और वोटिंग 90 फीसदी से भी ज्यादा होगी। अगर ऐसा हुआ तो समझ लेना परिवर्तन होने वाला है, लेकिन जीत की घोषणा होने से पहले मैं कुछ नही कहूंगा क्योंकि यह नियमों के खिलाफ है। बीजेपी नेता मिथुन चक्रवर्ती भले ही इस बार चुनावी मैदान में नहीं हैं, लेकिन पार्टी के लिए प्रचार कर रहे थे। उन्होंने कहा था कि फिलहाल वे चुनावों में हिस्सा नहीं लेंगे, लेकिन पार्टी के लिए काम करते रहेंगे। मिथुन लगातार मंचों से टीएमसी पर जमकर निशाना साध रहते रहे। उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा था कि अगर बंगाल में दोबारा टीएमसी आ जाती है तो उनका और बाकी हिंदुओं का बंगाल में रहना मुश्किल हो जाएगा और उन्हें अपने रहने के लिए दूसरी जगह ढूंढनी पड़ेगी। रिपोर्ट के मुताबिक अपने हालिया बयान में अभिनेता ने टीएमसी पर भ्रामक प्रचार करने का आरोप लगाया था। बंगाल में मछली-मांस बंद करने के आरोपों को खारिज करते हुए मिथुन ने कहा कि देश के कई राज्य हैं, जहां मछली-मांस खाया जा रहा है। देश में विशेष और धार्मिक पशु गाय के मांस को बेचने और खाने पर पाबंदी है। किसी भी राज्य में मछली-मांस खाने पर कोई भी प्रतिबंध नहीं है। टीएमसी के पास कोई और तरीका नहीं बचा है और वे अब भ्रामक प्रचार फैलाकर जनता को परेशान करना चाहती है।

तुर्की के दुश्मन देश ग्रीस में अपनी जबरदस्त पैठ बनाने में जुटा भारत

ग्रीस का एलेक्जेंड्रो पोलीपोट बंदरगाह भारतीय कंपनी को सौंपने की तैयारी

नई दिल्ली(एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के दोस्त देश ग्रीस से एक बड़ी खबर सामने आई है। ग्रीस का वहां बंदरगाह जो पूरे यूरोप की धड़कन कहा जाता है। अब भारत की मुट्ठी में आने वाला है। खबर है कि ग्रीस का एलेक्जेंड्रो पोलीपोट अब एक भारतीय कंपनी के अधिकार क्षेत्र में है। भारत की दिग्गज कंपनी बंदरगाह पोलीपोट को खरीदने या इसमें बड़ी हिस्सेदारी हासिल करने ग्रीस सरकार के साथ बातचीत कर रही है। यह डील सिर्फ बिजनेस के लिहाज से नहीं बल्कि भारत की रणनीतिक ताकत को सात समंदर पार स्थापित करने के लिहाज से बड़ी उपलब्धि है। पोलीपोर्ट की अहमियत को समझने के लिए इसकी लोकेशन बहुत जरुरी है। यह बंदरगाह बुल्गारिया, रोमानिया और यूक्रेन जैसे देशों के बिल्कुल करीब है। जब से रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू हुआ है। तब से यह पोर्ट पूरे यूरोप के लिए लाइफ लाइन बन गया है। नाटो देशों के टैंक हो, हथियार हो या फिर अनाज और गैस की सप्लाई हो सब कुछ इसी रास्ते से यूरोप के अंदर जा रहा है। और इसकारण कल तक जिस बंदरगाह को ग्रीस सरकार ने देश की सुरक्षा के लिए खतरा बताकर बेचने से रोक दिया था। आज वहीं इसकी चाबी भारत को सौंपने की तैयारी की जा रही है। इस पूरे घटनाक्रम के पीछे सबसे बड़ा एंगल चीन और तुर्की का है। ग्रीस का सबसे प्रमुख बंदरगाह पीरिय वर्तमान में पूरी तरह चीन की कंपनी कॉस्को के नियंत्रण में है। ग्रीस और बाकी यूरोपीय देश इस बात को लेकर परेशान है कि अगर उनके सबसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर चीन का कब्जा रहा, तब भविष्य में उनकी स्वायता खतरे में आ सकती है। भारत की एंट्री ने ग्रीस को एक भरोसेमंद विकल्प दिया है। भारत की छवि एक इसतरह के देश की है जो बिजनेस करता है लेकिन दूसरे देशों की जमीन या संप्रभुता पर कब्जा नहीं करता। वहीं तुर्की की ग्रीस से दुश्मनी किसी से नहीं छुपी और जब तुर्की पाकिस्तान का समर्थन कर रहा है। भारत का ग्रीस में होना तुर्की को बहुत खटकने वाला। भारत के लिए यह बंदरगाह एक गोल्डन गेट की तरह है क्योंकि भारत काफी समय से इंडिया मिडिल ईस्ट यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर आईएमसी पर काम कर रहा है। इस प्रोजेक्ट का मकसद भारत के सामान को अरब देशों के रास्ते सीधे यूरोप पहुंचाना है।

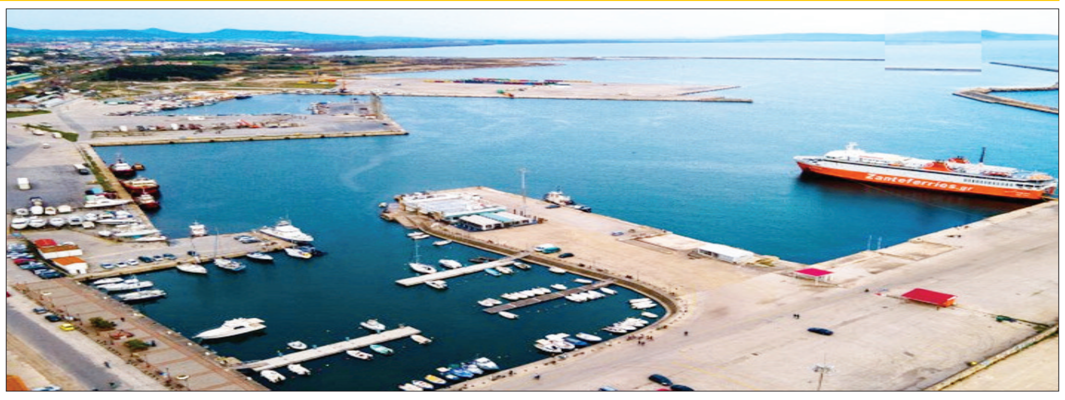

एलेक्जेंड्रो पोलीपोट कॉरिडोर का वहां आखिरी पड़ाव हो सकता है जहां से भारतीय माल पूरे यूरोप के बाजारों में फैल जाएगा। इससे ना सिर्फ भारत का निर्यात बढ़ेगा बल्कि स्वेज नहर जैसे रास्तों पर भारत की निर्भरता भी कम हो जाएगी। वहीं पोर्ट पर भारत का होना मतलब यूरोप की सप्लाई चेन और सुरक्षा के समीकरणों में भारत की परमानेंट सीट पक्की होगी। ग्रीस कैन रिपोर्ट्स पर जहां रूस और अमेरिका जैसे देशों की नजरें टिकी हैं। वहीं एलेक्जेंड्रो पोली में भारत की दावेदारी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हलचल मचा दी है। यह डील भारत की उस विदेश नीति का हिस्सा है जिसमें हम सिर्फ अपने पड़ोस तक सीमित नहीं है बल्कि वैश्विक स्तर पर अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहे हैं।

'डिजिटल अरेस्ट' पर सख्ती: ठगों के मोबाइल नंबर और बैंक खाते ब्लॉक करने की तैयारी

सिम सत्यापन से लेकर बैंकिंग निगरानी तक कड़े उपाय

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में तेजी से बढ़ रहे 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे साइबर ठगी के मामलों पर अब केंद्र की मोदी सरकार ने सख्त रुख दिखाया है। इस बढ़ते खतरे को देखकर मोदी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक विस्तृत रिपोर्ट पेश कर ठगों के मोबाइल नंबर और बैंक खातों को ब्लॉक करने सहित कई कड़े कदमों का खाका तैयार किया है। रिपोर्ट के अनुसार, समस्या से निपटने के लिए दूरसंचार, डिजिटल प्लेटफॉर्म और बैंकिंग तंत्र के बीच समन्वित कार्रवाई की जाएगी। केंद्र सरकार ने दूरसंचार विभाग, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और भारतीय रिज़र्व बैंक जैसे प्रमुख संस्थानों को एक साथ काम करने के निर्देश देने की मांग की है, ताकि सुरक्षा उपायों को समयबद्ध तरीके से लागू किया जा सके।

दूरसंचार क्षेत्र में सबसे बड़ा बदलाव सिम कार्ड जारी करने की प्रक्रिया में देखने को मिलेगा। मोदी सरकार 'बायोमैट्रिक पहचान सत्यापन प्रणाली' को अनिवार्य बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है, जिससे फर्जी सिम कार्ड के इस्तेमाल पर रोक लग सके। इसके अलावा, सिम सक्रियण से जुड़े पॉइंट ऑफ सेल (पीएसओ) एजेंटों के लिए भी कड़े सत्यापन और जवाबदेही नियम लागू किए जाएंगे।केंद्र की सुप्रीम कोर्ट को सौंपी गई रिपोर्ट में प्रस्ताव है कि साइबर अपराध में इस्तेमाल होने वाले संदिग्ध मोबाइल नंबरों और सिम कार्डों को तुरंत ब्लॉक करे। साथ ही, दूरसंचार कंपनियों को जांच एजेंसियों के साथ रियल-टाइम डेटा साझा करने के निर्देश दिए जाएंगे, ताकि अपराधियों तक तेजी से पहुंचा जा सके।

डिजिटल प्लेटफॉर्म की भूमिका को लेकर भी मोदी सरकार सतर्क है। रिपोर्ट में व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म के लिए 'सिम-बाईंडिंग' और उन्नत सुरक्षा तंत्र लागू करने की बात की गई है। इसके तहत संदिग्ध कॉल्स और लंबी धोखाधड़ी वार्ताओं की पहचान कर उन्हें रोका जा सकेगा। साथ ही, स्कैम में इस्तेमाल होने वाले डिवाइस की पहचान कर उन्हें ब्लॉक करने की व्यवस्था भी तैयार की जा रही है। वित्तीय क्षेत्र में, मोदी सरकार ने बैंक खातों पर तत्काल कार्रवाई के लिए नई व्यवस्था सुझाई है। भारतीय रिज़र्व बैंक की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के तहत संदिग्ध खातों पर अस्थायी डेबिट रोक लगाने का प्रावधान लागू किया जाएगा। इससे धोखाधड़ी के मामलों में पीड़ितों के नुकसान को कम करने में मदद मिलेगी। 'डिजिटल अरेस्ट' स्कैम में अपराधी खुद को पुलिस या जांच एजेंसी का अधिकारी बताकर लोगों को डराते हैं और जुर्माना या सुरक्षा फीस के नाम पर पैसे ठगते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में इस तरह के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है और इसका शिकार आम नागरिकों से लेकर अधिकारी और बुजुर्ग तक हो रहे हैं।

हाईकोर्ट ने आसाराम बापू की अंतरिम जमानत अवधि 25 मई तक बढ़ाई

-नाबालिग से दुष्कर्म मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर बेंच ने आसाराम बापू की अंतरिम जमानत अवधि 25 मई तक बढ़ा दी है। आसाराम की जमानत अवधि 6 मई को खत्म हो रही थी। आसाराम ने जमानत अवधि बढ़ाने के लिए प्रार्थना पत्र पेश किया था। उस प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एसपी शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की बेंच ने बुधवार को आसाराम की जमानत अवधि को 25 मई तक बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आसाराम की ओर से पैरवी करते हुए उनके वकील यशपाल राजपुरोहित ने कोर्ट को बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद हाईकोर्ट उनकी अपील पर सुनवाई पूरी करके फैसला सुरक्षित रखा है। उन्होंने कहा कि आसाराम का इलाज

अभी जारी है। ऐसे में इलाज पूरा होने तक जमानत की अवधि बढ़ाई जाए। राजस्थान हाईकोर्ट ने आसाराम को 29 अक्टूबर 2025 को जमानत दी थी। कार्यवाहक चीफ जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की डिवीजन बेंच ने जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया था।

रिपोर्ट के मुताबिक याचिका मेडिकल आधार पर लगाई गई थी। राजस्थान हाईकोर्ट से आसाराम को तब पहली बार जमानत मिली थी। इससे पहले अंतरिम जमानत खत्म होने के बाद उसने 30 अगस्त 2025 को सरेंडर किया था। बता दें नाबालिग से दुष्कर्म मामले में अप्रैल 2018 से आजीवन कारावास की सजा आसाराम काट रहा है। करीब 12 साल की कैद के बाद पहली बार 7 जनवरी 2025 को उसे मेडिकल कारणों से अंतरिम जमानत दी गई थी।

राजस्थान हाईकोर्ट में 29 अक्टूबर 2025 को आसाराम की सजा स्थगन और मेडिकल ग्राउंड पर जमानत की याचिका पर सुनवाई हुई थी। आसाराम की ओर से दिल्ली से आए सीनियर वकील ने पैरवी की थी। राजस्थान सरकार की ओर से एडिशनल एडवोकेट जनरल दीपक चौधरी ने दलील रखीं। पीड़िता की ओर से एडवोकेट पीसी सोलंकी ने पैरवी की। सभी पक्षों को सुनने के बाद बेंच ने 6 महीने की जमानत दी थी। यह जमानत 6 मई 2026 को खत्म हो रही थी।

क्रूड ऑयल की किल्लत से अब भारत में सड़क बनाना भी हुआ मुश्किल

-ईरान ने होर्मुज को कर रखा है बंद तो अमेरिका ने कर रखी है नाकाबंदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान-अमेरिका की बीच दूसरे चरण की वार्ता ना होने से तेल बाजार एक बार फिर उछाल आया। एक उम्मीद जगी थी कि शायद जल्द ही होर्मुज खुल जाए। हालांकि अब इसका कोई रास्ता फिलहाल नजर नहीं आ रहा है। ऐसे में ब्रेंट ऑइल की कीमतें 2.5 फीसदी की वृद्धि के साथ 107.97 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक तेहरान की तरफ से ट्रंप के सामने एक नया प्रस्ताव रखा गया है। इसमें कहा गया है कि होर्मुज खोलने को लेकर पहले बात होनी चाहिए और परमाणु मुद्दे पर बात बाद में भी हो सकती है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वैसे तो अमेरका और ईरान के बीच युद्धविराम चल रहा है लेकिन होर्मुज का रास्ता अब भी बंद है। एक तरफ अमेरिका ने नाकेबंदी कर रखी है। इसी वजह से ईरान भी होर्मुज को खोलने को तैयार नहीं है। इसके चलते उर्वरक, प्राकृतिक गैस, फ्यलू और कच्चे तेल की सप्लाई ठप हो गई है। जानकारों का कहना है कि अगर स्थितियां ऐसी ही बनी रहीं तो आने वाले समय में कच्चे तेल की कीमतों में और इजाफा होगा। वहीं पेट्रोल और डीजल की किल्लत बढ़ सकती है।

लाइव लॉन्ग वेल्थ के संस्थापक और शोध विश्लेषक ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव, विशेषकर होर्मुज के आसपास की स्थिति और अमेरिका-ईरान वार्ता में गतिरोध से वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता बढ़ी है। इससे कच्चे तेल की कीमतों पर सीधा असर पड़ रहा है और ब्रेंट क्रूड 107 डॉलर प्रति बैरल के आसपास है। उन्होंने कहा कि भारत के लिए ऊंची तेल कीमतें सबसे अहम आर्थिक कारक हैं, क्योंकि इससे महंगाई, रुपए और कंपनियों के मुनाफे पर दबाव पड़ता है।

अमेरिका-ईरान के बीच जारी तनाव और कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित होने से यूपी में सड़कों के निर्माण के लिए डामर (बिटुमिन) का संकट गहरा गया है। इसका असर हमीरपुर जिले में लोक निर्माण विभाग की सड़क परियोजनाओं पर साफ दिखाई दे रहा है। कई सड़कें अधर में लटक गई हैं, जबकि कुछ स्थानों पर गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। विभाग के अधीक्षण अभियंता ने बताया कि सड़क निर्माण में उपयोग होने वाला डामर क्रूड ऑयल से तैयार होता है और भारत में इसके लिए ईरान समेत अन्य देशों से कच्चे तेल का आयात किया जाता है। अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ते तनाव से इसकी आपूर्ति प्रभावित हुई है।

उन्होंने बताया कि जब ठेकेदारों ने टेंडर डाले थे, उस समय डामर की कीमत करीब 42 हजार रुपए प्रति मीट्रिक टन थी, लेकिन अब जीएसटी समेत यह बढ़कर करीब एक लाख रुपए प्रति मीट्रिक टन तक पहुंच गई है। डामर की कीमतों में इस भारी वृद्धि से ठेकेदारों में हड़कंप मचा है।

युद्ध की आशंकाओं के बीच आशा का सेतु:

ललित गर्ग

इस समझौते की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है कि न्यूजीलैंड द्वारा भारतीय निर्यातकों को लगभग सभी उत्पादों पर शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच प्रदान करना। यह भारतीय उद्योग, विशेषकर श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए एक स्वर्णिम अवसर है। कपड़ा, चमड़ा, इंजीनियरिंग वस्तुएं और प्लास्टिक उत्पाद जैसे क्षेत्रों को इससे अभूतपूर्व बढ़ावा मिलेगा। इससे न केवल निर्यात बढ़ेगा, बल्कि भारत में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते का वैश्विक अर्थ...

वैश्विक परिदृश्य इन दिनों युद्ध की अनिश्चितताओं, तनावों और भू-राजनीतिक खींचतान से भरा हुआ है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और महाशक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा ने विश्व अर्थव्यवस्था के सामने कई प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। ऐसे समय में भारत और न्यूजीलैंड के बीच 27 अप्रैल 2026 को नई दिल्ली में हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) केवल एक द्विपक्षीय आर्थिक दस्तावेज नहीं, बल्कि वैश्विक निराशा के बीच आशा का एक सशक्त संदेश बनकर उभरा है। यह समझौता उस विश्वास को पुनर्जीवित करता है कि सहयोग, संवाद और साझेदारी ही भविष्य की स्थायी समृद्धि का मार्ग हैं। यह समझौता कई दृष्टियों से ऐतिहासिक है। सबसे पहले, इसे मात्र नौ महीनों में अंतिम रूप दिया जाना अपने आप में एक उपलब्धि है, जो दोनों देशों की प्रतिबद्धता और व्यावहारिक कूटनीति को दशार्ता है। दूसरी ओर, यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब विश्व व्यापार व्यवस्था में बहुपक्षीय संस्थाओं की प्रभावशीलता पर प्रश्न उठ रहे हैं और देश तेजी से द्विपक्षीय या क्षेत्रीय समझौतों की ओर अग्रसर हो रहे हैं। विश्व व्यापार संगठन की धीमी गति और जटिलताओं के बीच यह समझौता एक नई दिशा का संकेत देता है, जहां लचीले और उद्देश्यपरक समझौते अधिक प्रभावी साबित हो रहे हैं।

इस समझौते की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है कि न्यूजीलैंड द्वारा भारतीय निर्यातकों को लगभग सभी उत्पादों पर शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच प्रदान करना। यह भारतीय उद्योग, विशेषकर श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए एक स्वर्णिम अवसर है। कपड़ा, चमड़ा, इंजीनियरिंग वस्तुएं और प्लास्टिक उत्पाद जैसे क्षेत्रों को इससे अभूतपूर्व बढ़ावा मिलेगा। इससे न केवल निर्यात बढ़ेगा, बल्कि भारत में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। भारतीय अर्थव्यवस्था, जो पहले से ही वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रही है, इस समझौते के माध्यम से और अधिक सशक्त होगी। निवेश के क्षेत्र में भी यह समझौता नई संभावनाओं के द्वार खोलता है। अगले 15 वर्षों में न्यूजीलैंड द्वारा भारत में 20 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि विश्वास का प्रतीक है। यह निवेश बुनियादी ढांचे, कृषि, तकनीक और सेवा क्षेत्रों मंव नई ऊर्जा का संचार करेगा। जब कोई विकसित देश किसी उभरती अर्थव्यवस्था में इस स्तर का निवेश करता है, तो यह अन्य वैश्विक निवेशकों के लिए भी सकारात्मक संकेत होता है। इस प्रकार यह समझौता एक ह्यट्रिगर पॉइंटह्ल के रूप में कार्य कर सकता है, जिससे भारत में विदेशी निवेश की नई लहर उत्पन्न हो। सेवा क्षेत्र के दृष्टिकोण से यह समझौता और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। आईटी, शिक्षा, वित्तीय सेवाएं, पर्यटन और आयुष जैसे क्षेत्रों में सहयोग से दोनों देशों को लाभ होगा। भारतीय पेशेवरों के लिए न्यूजीलैंड में काम करने के अवसरों का विस्तार, विशेष रूप से हर वर्ष हजारों कार्य वीजा की सुविधा, वैश्विक प्रतिभा प्रवाह को नई दिशा देगा। यह न केवल आर्थिक, बल्कि सांस्कृतिक और बौद्धिक आदान-प्रदान को भी प्रोत्साहित करेगा।

इस समझौते का एक और महत्वपूर्ण पहलू है कृषि सहयोग। न्यूजीलैंड अपनी उन्नत कृषि तकनीकों और उच्च उत्पादकता के लिए जाना जाता है, जबकि भारत के पास विशाल भूमि और विविध जलवायु है। दोनों देशों के बीच सहयोग से कीवी, सेब, शहद और अन्य उत्पादों के क्षेत्र में नई संभावनाएं विकसित हो सकती हैं। इससे भारतीय किसानों को आधुनिक तकनीक, बेहतर उत्पादन और वैश्विक बाजार तक पहुंच मिलेगी। साथ ही, यह भी उल्लेखनीय है कि भारत ने अपने डेयरी और संवेदनशील कृषि क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की है, जो इस समझौते की संतुलित प्रकृति को दशार्ता है। वैश्विक दृष्टि से देखें तो यह समझौता उस समय आया है जब दुनिया व्यापार के नए मॉडल तलाश रही है। एक समय था जब वैश्विक व्यापार मुख्यतः केंद्रीकृत संस्थाओं के माध्यम से संचालित होता था, लेकिन अब देश अपने-अपने हितों के अनुसार लचीले और त्वरित समझौते कर रहे हैं। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कई महत्वपूर्ण व्यापार समझौते किए हैं, जो उसकी सक्रिय आर्थिक कूटनीति का प्रमाण हैं। यह समझौता भी उसी श्रृंखला की एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जो भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखला में और गहराई से जोड़ता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस समझौते को किसानों, युवाओं, महिलाओं, कारीगरों और उद्यमियों के लिए लाभकारी बताना केवल एक राजनीतिक वक्तव्य नहीं, बल्कि इसकी व्यापक सामाजिक-आर्थिक संभावनाओं का संकेत है। यह समझौता समावेशी विकास की अवधारणा को भी सुदृढ़ करता है, जहां आर्थिक प्रगति का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचता है। इस समझौते का एक महत्वपूर्ण संदेश यह भी है कि भारत अब किसी एक देश या क्षेत्र पर निर्भर रहने की नीति से आगे बढ़ रहा है। विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में हो रही देरी के बीच भारत का यह कदम उसकी रणनीतिक स्वतंत्रता और बहुविकल्पीय दृष्टिकोण को दशार्ता है। यह स्पष्ट संकेत है कि भारत अपने लिए नए बाजारों और साझेदारों की तलाश में सक्रिय है, जिससे उसकी आर्थिक स्थिरता और मजबूती बनी रहे। हालांकि, इस समझौते के साथ कुछ चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं। भारतीय उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार होना होगा। गुणवत्ता, नवाचार और लागत-प्रभावशीलता के क्षेत्र में सुधार आवश्यक होगा। साथ ही, सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस समझौते के लाभ व्यापक रूप से वितरित हों और छोटे तथा मध्यम उद्यम भी इसका पूरा लाभ उठा सकें। इसके बावजूद, यह कहना गलत नहीं होगा कि भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में एक सकारात्मक और प्रेरणादायक पहल है। यह न केवल दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाई देगा, बल्कि वैश्विक व्यापार व्यवस्था में भी एक नई ऊर्जा का संचार करेगा। यह समझौता उस दिशा में एक कदम है, जहां प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ सहयोग भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे भारत के लिए न्यूजीलैंड के साथ हुआ मुक्त व्यापार समझौता केवल एक आर्थिक करार नहीं, बल्कि एक रणनीतिक छलांग के रूप में देखा जाना चाहिए। यह समझौता भारत की व्यापारिक सक्रियता, निर्यात क्षमता और वैश्विक बाजार में उसकी विश्वसनीयता को नई ऊँचाइयों तक ले जाने की क्षमता रखता है। इससे भारतीय उद्योगों, विशेषकर एमएसएमई, कृषि और सेवा क्षेत्रों को नया विस्तार मिलेगा और भारत वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में अधिक सशक्त उपस्थिति दर्ज कर सकेगा। इस प्रकार के समझौते यह संकेत देते हैं कि भारत अब केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक नेतृत्व की ओर बढ़ता हुआ एक निर्णायक शक्ति केंद्र बन रहा है। वर्ष 2047 में स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूर्ण होने के लक्ष्य को सामने रखते हुए, ऐसे मुक्त व्यापार समझौते भारत के उज्ज्वल भविष्य के संकेतक प्रतीत होते हैं। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत जिस प्रकार बहुआयामी विकास, आत्मनिर्भरता और वैश्विक साझेदारी की दिशा में आगे बढ़ रहा है, वह उसे एक सशक्त, प्रभावशाली और नेतृत्वकारी राष्ट्र के रूप में स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करता है। ये समझौते केवल आर्थिक समृद्धि के साधन नहीं, बल्कि भारत को वैश्विक मंच पर एक निर्णायक भूमिका निभाने के लिए तैयार करने वाले उपकरण भी हैं। स्पष्ट है कि आने वाला समय भारत के लिए अवसरों से भरा हुआ है, जहां यह देश न केवल आर्थिक दृष्टि से, बल्कि कूटनीतिक और रणनीतिक रूप से भी विश्व में अपनी अग्रणी उपस्थिति दर्ज कराएगा।

निश्चिततौर पर यह समझौता केवल व्यापार और निवेश तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक दृष्टिकोण का प्रतीक है, जिसमें आर्थिक प्रगति, सामाजिक समावेशन और वैश्विक सहयोग का समन्वय है। युद्ध और तनाव के इस दौर में यह समझौता एक संदेश देता है कि शांति, साझेदारी और परस्पर विश्वास ही वह आधार हैं, जिन पर भविष्य की समृद्ध दुनिया का निर्माण संभव है। भारत के लिए यह समझौता न केवल आर्थिक अवसरों के नए द्वार खोलता है, बल्कि उसे एक जिम्मेदार और दूरदर्शी वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित भी करता है।

संपादकीय

लद्दाख में नई पहल

जम्मू-कश्मीर से अलग होकर नया केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद लद्दाख में जनाकांक्षाओं का जो उफान उठा है, केंद्र सरकार उसकी पूर्ति की दिशा में बढ़ती नजर आ रही है। बीते साल राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची में शामिल किए जाने जैसी प्रमुख मांगों को लेकर स्थानीय संगठन आंदोलित नजर आए थे। अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के क्षेत्र के दौरे से पूर्व लद्दाख को पांच नये जिले मिले हैं। लेह और कारगिल के बाद-दो जिलों से बढ़कर सात जिलों तक का यह विस्तार इस पर्वतीय अंचल में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। निश्चित रूप से इस विशाल भू-भाग वाले, लेकिन कम आबादी वाले क्षेत्र में लोगों की सुविधा के लिए इस कदम की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। दरअसल, लद्दाख के नुब्रा, जांस्कर और चांगथांग जैसे दूरदराज के इलाकों में बुनियादी सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच बनाने में स्थानीय लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। यह बाधा सिर्फ भौगोलिक ही नहीं थी, बर्फीले दिनों में स्थिति और अधिक कष्टकारी हो जाती है। इसमें दो राय नहीं कि किसी भी क्षेत्र में छोटी प्रशासनिक इकाइयां अधिकारियों को जनता के करीब ला सकती हैं। खासकर लद्दाख जैसे जटिल भौगोलिक परिस्थितियों वाले क्षेत्रों में तो यह और भी जरूरी हो जाता है। निस्संदेह, छोटी प्रशासनिक इकाइयों के चलते सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के तुरंत क्रियान्वयन को सुगम बनाने में मदद मिल सकती है। सही मायनों में उपायुक्तों और पुलिस प्रमुखों की त्वरित नियुक्ति, बिना किसी देरी के सुशासन सुनिश्चित करने की दिशा में एक उत्साहजनक संकेत कहा जा सकता है। हालांकि, स्थानीय जनप्रतिनिधि संगठन नये जिले बनाने से संतुष्ट होते शायद ही नजर आएं। दरअसल, लद्दाख की चुनौतियां महज नौकरशाही तक ही सीमित नहीं कही जा सकती हैं। सही मायनों में ये राजनीतिक, आर्थिक व पर्यावरणीय भी हैं। वे जनाकांक्षाएं भी इसमें शामिल हैं जो लद्दाख के केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद ऊंचे स्तर पर रही हैं। यहां उल्लेखनीय है कि लेह की अस्मिता की रक्षा के लिये आंदोलन चलाने वाले संगठन, मसलन कारगिल लोकतांत्रिक गठबंधन समेत कई स्थानीय समूह, लद्दाख को राज्य का दर्जा दिए जाने और लेह-लद्दाख की संस्कृति की रक्षा के लिये इसे छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग करते रहे हैं। दरअसल, वे इसके लिये संवैधानिक सुरक्षा उपायों को लागू करने का आग्रह करते हैं। इस सप्ताह के अंत तक लद्दाख में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की यात्रा के दौरान स्थानीय संगठन निर्णय स्तर की वार्ता की मांग कर रहे हैं। वे विगत में हुई विभिन्न बैठकों को क्षेत्र के लंबे समय से लंबित मामलों के समाधान के लिये अपर्याप्त बताते रहे हैं।

चिंतन-मनन

सबसे बड़ी दौलत

एक विधवा अध्यापिका के दो बेटे थे। वह उन्हें गुरुकुल में अच्छी शिक्षा दिला रही थी। वह खुद भी अनेक बच्चों को संस्कृत पढ़ाती थी। इससे उसे जो कुछ प्राप्त होता था, उसी से वह अपना जीवनयापन करती थी। उसने अत्यंत गरीबी के दिनों में भी कभी किसी के आगे हाथ नहीं फैलाए। उसके स्वाभिमान को देख अनेक लोग अध्यापिका का बहुत आदर करते थे।

एक दिन एक बहुत बड़े सेठ को अध्यापिका की विद्वता व उसकी निर्धनता के बारे में मालूम हुआ। उस सेठ के कोई संतान नहीं थी। उसने सोचा हुआ था कि वह कुछ गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए उन्हें धन प्रदान करेगा। सेठ अध्यापिका के घर पहुंचा और बोला, देवी, आप निर्भीक व स्वाभिमानी हैं। मैं चाहता हूं कि आपके बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण करें। उसके लिए आप यह कुछ रुपये स्वीकार करें। इसके बाद उसने रुपयों की थैली अध्यापिका की ओर बढ़ाई। अध्यापिका हाथ जोड़कर सेठ से बोली, शायद आपको कुछ भ्रम हो गया है। मैं इतनी गरीब भी नहीं हूं कि अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा न दे पाऊं। मेरे पास जितनी दौलत है, उतनी शायद ही किसी के पास हो। सेठ अचरज से बोला, कहां है दौलत, जरा हमें भी तो बताइए।

अध्यापिका ने अपने दोनों पुत्रों को आवाज लगाई तो दोनों पुत्र तुरंत वहां आए और अपनी मां के पैर छूने के बाद उन्होंने सेठ के पैर छुए। फिर उन्होंने मां से पूछा, कहिए कैसे याद किया? दोनों पुत्रों की ओर देखकर अध्यापिका बोली, यही दोनों मेरी सबसे बड़ी दौलत हैं। दोनों लड़कों को देखकर सेठ अभिभूत हो गया और बोला, बिल्कुल सही। वास्तव में जिसकी संतान संस्कारी और गुणी है, वह कभी गरीब हो ही नहीं सकता। अध्यापिका ने सेठ से कहा, जो कुछ आप मुझे देने आए हैं, उसे अनाथ बच्चों को शिक्षित करने के लिए दे दें। सेठ ने वैसा ही किया।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

आस्था,आधुनिकता व आत्म निर्भरता की पटरी पर दौड़ता 'नव काशी-भव्य काशी'

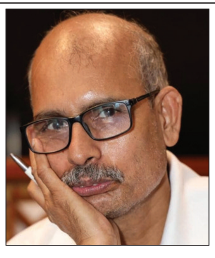
विनोद कुमार सिंह

प्रधानमंत्री का वाराणसी दौरा–विकास की सौगात, गंगा एक्सप्रेसवे का विस्तार और अमृत भारत एक्सप्रेस के रूप में नई गति का संकल्प...

जब भी काशी की बात होती है, तो यह केवल एक शहर नहीं, बल्कि समय, संस्कृति और चेतना का अनंत प्रवाह प्रतीत होता है।यहाँ हर क्षण में इतिहास की गूंज है और हर दिशा में भविष्य की संभावनाएँ। ऐसे ही एक ऐतिहासिक पड़ाव पर एक बार फिर काशी साक्षी बनी, जब देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान विकास और विश्वास की नई इबारत को मूर्त रूप दिया।प्रधानमंत्री ने वाराणसी से अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और इसके साथ ही एक नई गति,नई ऊर्जा और नए भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया। अपने उद्बोधन में उन्होंने स्पष्ट कहा कि 'काशी आज केवल आध्यात्मिक नगरी नहीं, बल्कि विकसित भारत के संकल्प की सशक्त धुरी बन चुकी है।यहाँ जो परिवर्तन हो रहा है,वह पूरे देश के लिए प्रेरणा है।' उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि भारतीय रेल का आधुनिकीकरण केवल गति बढ़ाने का प्रयास नहीं,बल्कि आम नागरिक की सुविधा,सुरक्षा और सम्मान से जुड़ा हुआ अभियान है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अमृत भारत एक्सप्रेस जैसी ट्रेनें उन करोड़ों भारतीयों के सपनों को साकार करने का माध्यम हैं,जो कम लागत में बेहतर और सम्मानजनक यात्रा चाहते हैं। यह ट्रेन 'न्यू इंडिया' की उस सोच का प्रतीक है, जहाँ विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का संकल्प सर्वोपरि है।लगभग रू.6,350 करोड़ की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास इस बात का सशक्त प्रमाण है कि विकास अब केवल आंकड़ों की भाषा नहीं बोलता, बल्कि जनजीवन की वास्तविक आवश्यकताओं से सीधे जुड़ता है। वाराणसी में आयोजित महिला सम्मेलन में हजारों महिलाओं की सहभागिता को प्रधानमंत्री ने 'नए भारत की शक्ति' बताते हुए कहा कि नारी सशक्तिकरण ही राष्ट्र सशक्तिकरण का मूल आधार है। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को देश की सबसे बड़ी पूंजी बताया।अमृत भारत एक्सप्रेस के शुभारंभ के साथ काशी ने एक बार फिर यह सिद्ध किया कि यह नगरी केवल आध्यात्मिक चेतना की धारा नहीं बहाती, बल्कि विकास की तेज रफ्तार को भी अपने साथ लेकर चलती है।आधुनिक सुविधाओं से युक्त यह ट्रेन उन यात्रियों के लिए एक नई उम्मीद है,जो सस्ती, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा की आकांक्षा रखते हैं।अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि 'आज का भारत अपनी विरासत पर गर्व करते हुए आधुनिकता की ओर बढ़ रहा है। काशी इसका सबसे जीवंत उदाहरण है,जहाँ परंपरा और प्रगति एक साथ कदमताल कर रही हैं।' इस दौरे के अगले चरण में हरदोई में गंगा एक्सप्रेसवे के उद्घाटन को लेकर भी प्रधानमंत्री ने इसे उत्तर प्रदेश के विकास का 'ग्रोथ इंजन' बताया।लगभग 594 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेसवे राज्य के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों को जोड़ते हुए आर्थिक गतिविधियों को नई दिशा देगा। उन्होंने कहा कि यह केवल सड़क नहीं,बल्कि अवसरों का राजमार्ग है,जो किसानों,उद्यमियों और युवाओं के लिए नए द्वार खोलेगा।यदि इन सभी पहलुओं को एक साथ देखा जाए,तो स्पष्ट होता है कि यह दौरा केवल परियोजनाओं का उद्घाटन नहीं,बल्कि एक व्यापक परिवर्तन की निरंतर प्रक्रिया का हिस्सा है। काशी आज उस परिवर्तन का प्रतीक बन चुकी है, जहाँ परंपरा और प्रगति एक-दूसरे के पूरक बनकर उभर रहे हैं।

जीवन की यात्रा,रेल की रफ्तार और काशी का साक्षी भाव–यह अनुभव तब और गहरा हो जाता है, जब मैं स्वयं को एक यात्री के रूप में देखता हूँ।रेल की खिड़की से गुजरते दृश्य केवल भौगोलिक नहीं होते वे भीतर की यात्रा को भी गति देते हैं।जब यह यात्रा अयोध्या की ओर बढ़ती है,तो मन स्वतः ही भगवान श्रीराम की मयार्दा,त्याग और आदर्शों से भर उठता है। वहीं काशी पहुँचते ही शिव की मुक्त चेतना का अनुभव होता है।गंगा के तट पर खड़े होकर यह स्पष्ट होता है कि यह यात्रा केवल बाहरी नहीं, बल्कि भीतर की यात्रा भी है। मणिकर्णिका घाट पर जीवन का सत्य सामने आता है–मनुष्य एक यात्री है, जो आया है और आगे बढ़ जाएगा। 'काश्यां मरणान्मुक्तिः' का शास्त्रीय वचन यहाँ अनुभव बन जाता है।इसी आध्यात्मिक यात्रा के समानांतर भारतीय रेल की विकास यात्रा भी निरंतर आगे बढ़ रही है। वाराणसी से अमृत भारत एक्सप्रेस का संचालन इस बात का प्रतीक है कि भारत अपनी जड़ों से जुड़े रहते हुए आधुनिकता की ओर कितनी दृढ़ता से अग्रसर है।काशी की संध्या आरती में जब दीपों की पंक्तियाँ गंगा में तैरती हैं,तो वह दृश्य यह संदेश देता है कि जीवन का सार केवल उपलब्धियों में नहीं,बल्कि आत्मबोध में है। श्रीमद्भगवद्गीता का शाश्वत संदेश 'न जायते म्रियते वा कदाचित्' यहाँ जीवंत हो उठता है।

अयोध्या से काशी तक की यह यात्रा केवल दूरी नहीं,बल्कि उस आध्यात्मिक पथ का प्रतीक है, जहाँ राम की मयार्दा और शिव की मुक्तता एक साथ अनुभव होती है। और जब इस पूरी यात्रा को मैं एक साक्षी भाव से देखता हूँ,तो यह अनुभव होता है कि जीवन स्वयं एक 'अमृत भारत एक्सप्रेस' है -निरंतर गतिमान, सतत शिक्षाप्रद और अनवरत प्रवाहमान।प्रधानमंत्री के इस दौरे ने यह स्पष्ट कर दिया है कि काशी अब केवल अतीत की गौरवगाथा नहीं,बल्कि भविष्य की विकासगाथा भी है।यह वह भूमि है,जहाँ आस्था की जड़ें जितनी गहरी हैं,विकास की शाखाएँ उतनी ही विस्तृत हो रही हैं।

जय काशी विश्वनाथ... जय श्रीराम... भारत की यह यात्रा अनंत

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

दुनिया में सैन्य खर्च बढ़ा, भारत पांचवें स्थान पर

सुनील कुमार महला

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की ताजा रिपोर्ट-2025...

दुनिया के देश अपने रक्षा बजट या यूं कहें कि सैन्य खर्च में अभूतपूर्व बढ़ोत्तरी कर रहे हैं। वास्तव में, आज के समय में दुनिया भर में सैन्य खर्च कई कारणों से तेजी से बढ़ रहा है। प्रमुख कारणों की यदि हम यहां पर बात करें तो भू-राजनीतिक तनाव और युद्ध(रूस-यूक्रेन युद्ध), इजरायल हमास युद्ध, दक्षिण चीन सागर जैसे संघर्षों ने देशों को सुरक्षा पर अधिक खर्च करने के लिए प्रेरित किया है। पड़ोसी देशों की प्रतिस्पर्धा (जैसे कि भारत, चीन और पाकिस्तान जैसे देशों की आपसी प्रतिस्पर्धा) भी इसके लिए कहीं न कहीं जिम्मेदार है।ये देश अपने सामरिक संतुलन बनाए रखने के क्रम में अपने सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी कर रहे हैं।सरल शब्दों में कहें तो जब एक देश हथियार खरीदता है, तो पड़ोसी देश भी अपनी सेना मजबूत करने लगते हैं। इसे हथियारों की दौड़ कहा जाता है। नई तकनीक और आधुनिक हथियार भी एक प्रमुख कारण बनकर उभरा है। पिछले कुछ समय से ड्रोन, साइबर सुरक्षा, मिसाइल रक्षा प्रणाली, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित हथियार, अंतरिक्ष रक्षा आदि पर भारी निवेश हो रहा है, जैसा कि आधुनिक युद्ध अब केवल सैनिकों से नहीं, तकनीक से भी लड़ा जाता है। आज आतंकवाद और आंतरिक सुरक्षा खतरों जैसे घुसपैठ, नशीले पदार्थों की तस्करी आदि के कारण भी दुनिया के विभिन्न देशों ने अपने सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी की है।वैश्विक शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा ने भी सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी को जन्म दिया है।सच तो यह है कि आज के समय में चीन, अमेरिका और रूस जैसे शक्तिशाली देश अपनी सैन्य शक्ति दिखाकर विश्व राजनीति में अपना प्रभाव बढ़ाना चाहते हैं। इतना ही नहीं, आज हथियार उद्योग कई देशों की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा है। रक्षा सौदों से रोजगार, निर्यात और तकनीकी विकास भी जुड़ा होता है। कहना गलत नहीं होगा कि वर्तमान समय में सैन्य खर्च बढ़ना केवल युद्ध की तैयारी नहीं, बल्कि सुरक्षा, शक्ति संतुलन, तकनीकी बढ़त और राजनीतिक प्रभाव का भी संकेत है। लेकिन अत्यधिक सैन्य खर्च से शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास क्षेत्रों पर दबाव भी बढ़ सकता है। इस क्रम में हाल ही में एक प्रतिष्ठित न्यूज एजेंसी के हवाले से यह खबरें आईं हैं कि भारत का रक्षा खर्च 8.9% बढ़ा, और भारत 5वां सबसे अधिक सैन्य खर्च वाला देश बन गया है। दरअसल, हाल ही में आई सिपरी की रिपोर्ट के अनुसार यह जानकारी सामने आई है कि वैश्विक सैन्य खर्च 2,887 अरब डॉलर पार कर चुका है और भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश बन गया है। रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2025 में भारत का सैन्य खर्च 8.9 प्रतिशत बढ़कर 92.1 अरब डॉलर हो गया। गौरतलब है कि स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में वैश्विक सैन्य खर्च 2,887 अरब डॉलर तक पहुंच गया।बड़ी बात यह है कि यह लगातार 11वां साल है, जब वैश्विक सैन्य खर्च में वृद्धि दर्ज की गई है। पाठकों को बताता चलूं कि सबसे ज्यादा खर्च करने वाले पांच देशों में अमेरिका, चीन, रूस, जर्मनी और भारत शामिल हैं, जिनका वैश्विक खर्च में कुल योगदान 58 प्रतिशत है। सरल शब्दों में कहें तो सेना पर सर्वाधिक खर्च करने वाले देशों में अमेरिका, चीन, रूस और जर्मनी आज दुनिया में सबसे आगे पहुंच चुके हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार अमेरिका, यूरोप, चीन, रूस और जर्मनी का सैन्य खर्च क्रमशः 954,864,336,190 तथा 114 अरब डॉलर हो गया है। कहना गलत नहीं होगा कि इससे वैश्विक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) पर भार में बढ़ोत्तरी हुई है। जानकारी अनुसार दुनियाभर में सैन्य खर्च के चलते वैश्विक जीडीपी पर भार 2024 में 2.4% था, जो 2025 में बढ़कर 2.5% हो गया है। दुनियाभर में सरकारों का सेना पर औसत खर्च 2024 में 7% था, जो 2025 में घटकर 6.9% हो गया है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि ईरान-इजरायल का खर्च घटा है। पाठकों को बताता चलूं कि इजरायल का सैन्य खर्च 4.9 फीसदी घटकर 48.3 अरब डॉलर रहा, वहीं दूसरी ओर ईरान का खर्च लगातार दूसरे साल घटा, तथा वर्ष 2025 में यह 7.4 अरब डॉलर रह गया। आंकड़े बताते हैं कि नाटो का सैन्य खर्च 14 फीसदी बढ़कर कुल 864 अरब डॉलर हो गया, वहीं पर स्पेन ने सैन्य खर्च 50 फीसदी बढ़ाया है, और कुल बजट 40.2 अरब डॉलर हो गया। इधर, मध्य-पूर्व में सेना पर 218 अरब डॉलर खर्च हुए, वर्ष 2024 से 0.1% कम। हाल फिलहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत के रक्षा खर्च में वृद्धि की एक बड़ी वजह पिछले मई में भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष बताया गया है, जिसमें लड़ाकू विमानों, ड्रोन्स व मिसाइलों का इस्तेमाल हुआ। इसी के चलते पाकिस्तान का सैन्य खर्च भी 11 प्रतिशत बढ़कर 11.9 अरब डॉलर हो गया। दरअसल, पाकिस्तान ने चीन से नए हथियार भी खरीदे। गौरतलब है कि इससे वैश्विक स्तर पर सैन्य खर्च का बोझ (जीडीपी के अनुपात में) 2.5 प्रतिशत तक पहुंच गया, जो कि साल 2009 के बाद सबसे अधिक है। मतलब यह है कि प्रति व्यक्ति औसतन 352 डॉलर सैन्य खर्च किया गया। रिपोर्ट बताती है कि अमेरिका का सैन्य खर्च 7.5% घटकर 954 अरब डॉलर रहा, जिसका कारण यूक्रेन को नई वित्तीय सहायता का न मिलना बताया गया। इसके विपरीत यूरोप में 14 प्रतिशत और एशिया व ओशिनिया क्षेत्र में 8.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इतना ही नहीं, चीन दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश है। दरअसल , चीन ने साल 2025 में अपना रक्षा बजट 7.4 प्रतिशत बढ़ाकर 336 अरब डॉलर कर दिया। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि यह लगातार 31 वां वर्ष है जब चीन ने अपने देश का रक्षा खर्च बढ़ाया है। रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक स्तर पर युद्ध, भू-राजनीतिक तनाव व सुरक्षा चिंताओं के चलते देशों ने हथियारों व रक्षा तैयारियों पर खर्च बढ़ाया है।

बहरहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि किसी भी देश द्वारा अत्यधिक सैन्य खर्च के फायदे और नुकसान दोनों ही होते हैं। वास्तव में, यह किसी देश की सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और सामाजिक विकास पर सीधा प्रभाव डालता है।अत्यधिक सैन्य खर्च के फायदे यह हैं कि इससे किसी देश विशेष की जहां एक ओर राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत होती है, वहीं दूसरी ओर इससे रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं। सरल शब्दों में कहें तो सेना, रक्षा उद्योग, हथियार निर्माण, अनुसंधान और तकनीकी क्षेत्रों में नौकरियां पैदा होती हैं।अत्यधिक सैन्य खर्च से किसी देश कातकनीकी विकास होता है। वास्तव में रक्षा अनुसंधान से नई-नई तकनीकें विकसित होती हैं, जिनका उपयोग बाद में आम जनता के लिए भी होता है (जैसे इंटरनेट, जीपीएस आदि)। सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी से उस देश विशेष का अंतरराष्ट्रीय प्रभाव बढ़ता है। कहना गलत नहीं होगा कि आज मजबूत सैन्य शक्ति वाला देश वैश्विक राजनीति में अधिक प्रभावशाली माना जाता है। इतना ही नहीं एक फायदा यह भी है कि इससे(अत्यधिक सैन्य खर्च से) सेना युद्ध के अलावा बाढ़, भूकंप, महामारी जैसी आपदाओं में भी मदद करती है। वहीं दूसरी ओर अत्यधिक सैन्य खर्च की बात करें तो इसके नुकसान भी कम नहीं हैं। मसलन, इससे शिक्षा और स्वास्थ्य पर व्यापक असर पड़ता है। सरल शब्दों में कहें तो ज्यादा पैसा सेना पर खर्च होने से शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और विकास योजनाओं के लिए कम धन बचता है और उस देश विशेष पर आर्थिक दबाव बढ़ता है। यदि कोई देश अत्यधिक सैन्य बजट खर्च करता है तो इससे सरकारी घाटा, कर्ज और महंगाई बढ़ सकती है। इतना ही नहीं, दुनिया में एक दूसरे की देखा-देखी में हथियारों की होड़ बढ़ती है, व तनाव व युद्ध का कारण बनता है।सामाजिक

सुभासपा के अति पिछड़ा सम्मेलन में उमड़ा सैलाब

सामाजिक न्याय और भागीदारी पर मंत्री ओमप्रकाश राजभर का रहा जोर

अमरोहा (सब का सपना):- सुभासपा द्वारा शहर के कैलसा बाईपास रोड पर स्तिथ ताज गार्डन बैंक्वेट हाल में आयोजित अति पिछड़ा सम्मेलन में जनपद भर से आए कार्यकताओं और समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ी। सम्मेलन ने एक बड़े सामाजिक-राजनीतिक संदेश के रूप में अति पिछड़े, वंचित और उपेक्षित वर्गों की भागीदारी और अधिकारों की मांग को मजबूती से उठाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री एवं पार्टी के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव अरविन्द राजभर मौजूद रहे। दोनों नेताओं के आगमन पर कार्यकताओं ने फूल-मालाओं से जोरदार स्वागत कर उत्साह का परिचय दिया।

इस दौरान सम्मेलन को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि अति पिछड़ा समाज लंबे समय तक राजनीतिक और सामाजिक रूप से उपेक्षित रहा है, लेकिन अब समय बदल रहा है और इस वर्ग को उसका हक दिलाने के लिए सुभासपा निरंतर संघर्ष कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचे और इसके लिए पारदर्शी एवं प्रभावी व्यवस्था बनाई जा रही है। उन्होंने कार्यकताओं से अपील की कि वे गांव-गांव तक पहुंचकर लोगों को जागरूक करें और संगठन को मजबूत बनाएं ताकि आने वाले समय में अति पिछड़े समाज की आवाज और अधिक प्रभावी तरीके से उठाई जा सके।

पूर्व मंत्री एवं सुभासपा के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव अरविन्द राजभर ने कहा कि सुभासपा हमेशा से अति पिछड़े, दलित और वंचित वर्गों की लड़ाई लड़ती आई है और आगे भी यह संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि जब तक समाज के अंतिम व्यक्ति को न्याय, सम्मान और अवसर नहीं मिलेगा तब तक पार्टी का आंदोलन थमने वाला नहीं है। उन्होंने कार्यकताओं में जोश भरते हुए कहा कि एकजुटता ही सबसे बड़ी ताकत है और संगठन की मजबूती से ही राजनीतिक हिस्सेदारी सुनिश्चित की जा सकती है। उन्होंने आने वाले चुनावों का जिक्र करते हुए कार्यकताओं से पूरी तैयारी के साथ जुटने और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। जनसभा में मुख्य रूप से रामपाल मांडी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, दयाराम भार्गव जी राष्ट्रीय सचिव, शक्ति सिंह राष्ट्रीय महासचिव बलराज सिंह प्रजापति सत्यपाल तोमर जिलाध्यक्ष राजपाल सिंह रवि चौधरी जिलाध्यक्ष/मंत्री प्रतिनिधि मुरादाबाद आदेश अमरोही, सुरेंद्र सिंह प्रधान जसवीर सिंह अतीकउरमान मोहम्मद शराफत, विनीत चौहान, जसवीर सिंह चौहान, आदि मौजूद रहे।

अमरोहा में गंगा एक्सप्रेसवे का भव्य लोकार्पण हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

विकसित भारत के लक्ष्य में विकसित उत्तर प्रदेश की मजबूत भागीदारी करेगा गंगा एक्सप्रेसवे

अमरोहा (सब का सपना):- बुधवार को जिले के हसनपुर तहसील के अंतर्गत ग्राम मंगरौला में गंगा एक्सप्रेसवे के भव्य लोकार्पण का कार्यक्रम बड़ी भव्यता से सम्पन्न हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मुख्यमंत्री योगी आादित्यनाथ की उपस्थिति में हरदोई जिले से वर्चुअल माध्यम से इस 594 किलोमीटर लंबे मेगा प्रोजेक्ट का उद्घाटन करने के साथ ही मंगरौला में लगी बड़ी एलईडी स्क्रीन पर लाइव प्रसारण के जरिए पूरा कार्यक्रम देखा गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि राज्य मंत्री, वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ०प्र० शासन एवं जिला प्रभारी मंत्री के०पी० मलिक एवं उपस्थित सभी अतिथियो ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान मुख्य अतिथि एवं समस्त जनप्रतिनिधियों द्वारा कार्यक्रम स्थल पर की गई व्यवस्थाओं के लिए डीएम-एसपी की प्रशंसा की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं जिला प्रभारी मंत्री के.पी. मलिक, अति विशिष्ट अतिथि के रूप में सांसद अमरोहा कंवर सिंह तंवर, विधायक हसनपुर महेंद्र सिंह खड़गवंशी, विधायक धनौरा राजीव तरारा, शिक्षक विधायक डॉ. हरि सिंह ढिल्लो, शिक्षक विधायक सत्यपाल सिंह सैनी, जिला अध्यक्ष भाजपा उदयगिरी गोस्वामी, मंडलायुक्त आञ्जनेय कुमार सिंह, डीएम नितिन गौड़ एवं एसपी लखन सिंह यादव स्थानीय जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी और भारी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। डीएम नितिन गौड़ एवं अन्य अधिकारियों ने राज्य मंत्री श्री के.पी. मलिक एवं अन्य सभी जनप्रतिनिधियों को अंगवस्त्र देकर स्मृति चिन्ह भेंट किया। प्रभारी मंत्री ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके कुशल नेतृत्व में बहुत कम समय में यह कार्य पूर्ण हुआ। उन्होंने कहा कि यह गंगा एक्सप्रेसवे केवल एक रास्ता नहीं है, बल्कि पूर्व-पश्चिम को जोड़ने का सबसे अच्छा माध्यम है। यह भाईचारा बढ़ाने का, व्यापार बढ़ाने तथा किसान भाइयों की उन्नति का नया रास्ता खोलने वाला माध्यम है। इतना ही नहीं, यह हमारे युवाओं के लिए रोजगार का भी एक बड़ा साधन बनेगा।

सांसद कंवर सिंह तंवर ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के द्वारा जनपद को गंगा एक्सप्रेसवे की अनमोल सौगात दी गई है। यह रोड न केवल किसानों और व्यापारियों के लिए वरदान है, बल्कि यहां इंडस्ट्री कॉरिडोर भी विकसित हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा 12 वर्षों में देश की तकदीर बदल दी। योगी जी के आने के बाद उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था सुद्दढ़ हुई है और विकास की बयार चल पड़ी। हसनपुर विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी ने कहा कि गंगा एक्सप्रेसवे हमारे क्षेत्र का नाम भारत के विकास मानचित्र पर स्वर्ण अक्षरों में लिखवाने का काम करेगा। धनौरा विधायक राजीव तरारा ने अपने संबोधन में कहा कि 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे की लागत लगभग 37 हजार करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि यह एक्सप्रेसवे पूरब से पश्चिम को जोड़ने का माध्यम बनेगा, दूरी को कम करेगा और सामाजिक समरसता का संदेश देगा। भाजपा जिला अध्यक्ष उदयगिरी गोस्वामी ने कहा कि गंगा एक्सप्रेसवे अमरोहा जनपद के लिए एक ऐतिहासिक उपहार है। उन्होंने कहा कि यह एक्सप्रेसवे न केवल यातायात को तेज करेगा बल्कि अमरोहा में औद्योगिक विकास और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा।

जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड ने उपस्थिति सभी जनप्रतिनिधियों एवं आमजन का आभार प्रकट किया। उन्होंने मुख्य अतिथि राज्यमंत्री के.पी. मलिक, सांसद कंवर सिंह तंवर, सभी जनप्रतिनिधियों, मंडलायुक्त आञ्जनेय कुमार सिंह, एसपी लखन सिंह यादव, समस्त प्रशासनिक अधिकारियों और स्थानीय जनता का हार्दिक धन्यवाद किया। डीएम ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा, व्यवस्था और स्वच्छता के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न हुआ है। आपको बता दे कि गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ से प्रयागराज तक 594 किलोमीटर लंबा 6 लेन का ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट है, जिसकी अनुमानित लागत लगभग 37,000 करोड़ रुपये है। यह 12 जिलों मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज को जोड़ेगा। अमरोहा जिले में इसकी 23.6 किलोमीटर लंबाई है, जो 25 गांवों से गुजरती हुई मंगरौला के पास टी-पॉइंट बना है। उसी जगह पर कार्यक्रम स्थल पर 5000 से अधिक स्थानीय नागरिक, किसान, महिलाएं और युवा बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया,

अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेन्द्र प्रताप सिंह सहित स्थानीय नागरिक, किसान, महिलाएं और युवा बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मंडी धनौरा में वन विभाग से जुड़ी समस्याओं को लेकर भाकियू (लोकशक्ति) का धरना प्रदर्शन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- बुधवार को मंडी धनौरा तहसील के वन विभाग कार्यालय पर भारतीय किसान यूनियन (लोकशक्ति) का वन विभाग से जुड़ी समस्याओं को लेकर धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया। जिसमें किसानों ने वन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाए।

बता दें कि शहर के वन विभाग कार्यालय पर आयोजित इस धरना प्रदर्शन को संगठन के राष्ट्रीय सचिव डॉ सुमित कुमार नागर के नेतृत्व में आयोजित किया गया। धरना-प्रदर्शन में किसानों ने वन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया गया कि गजरौला क्षेत्र के किसानों की जमीनों से संबंधित मामलों में अनियमितताएं बरती गई हैं। किसानों का कहना है कि उनके खेतों की भूमि को गलत रिपोर्टिंग के आधार पर वन भूमि दिखाया जा रहा है, जिससे उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। साथ ही ग्राम सराय में घूम रहे तेंदुआ के भय के बारे में भी बात की गई व डॉ सुमित कुमार नागर के आग्रह पर ग्राम सराय में तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगवाया गया। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने मांग की कि इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। साथ ही प्रभावित किसानों को न्याय दिलाने की मांग भी उठाई गई। धरना स्थल पर वन विभाग के संबंधित अधिकारी, डीएफओ अमरोहा मौजूद रहे। डीएफओ अमरोहा के उचित समाधान के आश्वासन पर धरना प्रदर्शन समाप्त किया गया। इस मौके पर संगठन के निम्न पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे नीरज कुमार , सर्वोत्तम शर्मा ,चंद्रपाल सिंह चौहान, डॉक्टर नरदेव कश्यप ,आनंद त्यागी, हुकुम सिंह ,ओंकार सिंह, रामगोपाल सिंह, सुभाष चंद्र यादव, रविंद्र सिंह यादव ,सौरभ शर्मा ,हिमांगी नगर ,राकेश त्यागी, राजेश, आसिफ ,डॉक्टर कोशिंदर सिंह, जोगिंदर सिंह, संजय शर्मा, रामपाल सिंह सैनी ,डॉक्टर यतन सिंह ,जितेंद्र आदि लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु की गई समीक्षा बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल, प्रभावी एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर जनपद न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा विवेक की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समन्वय एवं समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा के सचिव/न्यायाधीश अभिषेक कुमार व्यास, प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस विभाग के अधिकारी, विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि, नगर पालिका परिषद के अधिकारी, विद्युत विभाग के अधिकारी तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जनपद न्यायाधीश विवेक ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत न्याय व्यवस्था को सरल, सुलभ, त्वरित एवं जनहितकारी बनाने का अत्यंत प्रभावी माध्यम है। लोक अदालत के माध्यम से पक्षकार आपसी सहमति एवं समझौते के आधार पर अपने विवादों का निस्तारण कर सकते हैं। इससे न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या कम होती है तथा आमजन को कम समय और कम खर्च में न्याय प्राप्त होता है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों को चिन्हित कर सूचीबद्ध किया जाए तथा संबंधित पक्षकारों को समय से नोटिस एवं सूचना उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि विभागीय स्तर पर लंबित प्रकरणों का गंभीरता से परीक्षण कर ऐसे मामलों को लोक अदालत में भेजा जाए जिनका समाधान आपसी समझौते से संभव हो।

बैठक में विशेष रूप से बैंक ऋण वसूली प्रकरण, विद्युत बकाया मामले, जलकर एवं गृहकर संबंधी प्रकरण, नगर पालिका कर विवाद, मोटर दुर्घटना दाचा वाद, श्रम विवाद, पारिवारिक विवाद, वैवाहिक मामले, चेक बाउंस प्रकरण, राजस्व वाद तथा अन्य समझौता योग्य मामलों पर विस्तार से चर्चा की गई। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि अधिक से अधिक मामलों के निस्तारण हेतु अभी से तैयारी प्रारंभ कर दी जाए। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा के सचिव/न्यायाधीश अभिषेक कुमार व्यास ने बैठक में लोक अदालत की कार्यप्रणाली, विभागों की भूमिका एवं आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी देते हुए कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत आमजन के लिए अत्यंत उपयोगी व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि विभागों के समन्वय एवं सक्रिय सहयोग से ही लोक अदालत को सफल बनाया जा सकता है। उन्होंने अधिकारियों से अपील की कि अधिकाधिक वादों को चिन्हित कर समय से सूची प्रेषित करें तथा पक्षकारों को समझौते हेतु प्रेरित करें। बैठक में पुलिस विभाग के अधिकारियों को लोक अदालत के दिन यातायात व्यवस्था, सुरक्षा एवं आवश्यक सहयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। वहीं प्रशासनिक अधिकारियों को समुचित व्यवस्थाएं, बैठने की सुविधा, पेयजल, सूचना सहायता केंद्र एवं अन्य आवश्यक प्रबंध समय से पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। बैंक अधिकारियों को ऋण संबंधी लंबित प्रकरणों में समझौता प्रस्ताव तैयार कर लाभार्थियों से संपर्क करने के लिए कहा गया। नगर पालिका एवं विद्युत विभाग के अधिकारियों को कर एवं बकाया संबंधित मामलों में अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को लोक अदालत का लाभ लेने हेतु जागरूक करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने बैठक में लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु पूर्ण सहयोग एवं सक्रिय सहभागिता का आवासन दिया। अंत में जनपद न्यायाधीश विवेक ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत जनसामान्य को त्वरित न्याय उपलब्ध कराने का सशक्त मंच है। सभी विभाग समन्वित प्रयास करें, ताकि अधिक से अधिक बादों का निस्तारण हो सके और आमजन को राहत मिल सके। बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों ने लोक अदालत को सफल बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

विधुत लाईन ठीक करते समय लाइनमैन को लगा करंट,मौत

शट-डाउन लेने के बाद भी लाइन में आई बिजली,परिजनों ने किया हंगामा

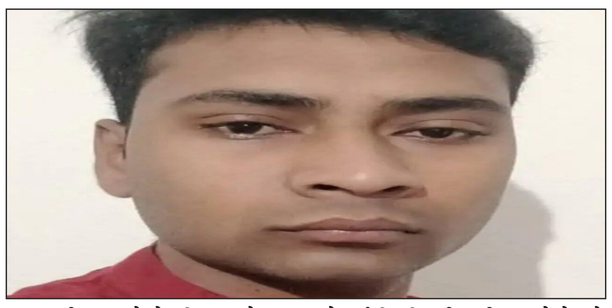

रजबपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के रजबपुर थाना क्षेत्र में 11000 वोल्ट की लाइन ठीक करते समय एक 28 वर्षीय लाइनमैन की करंट लगने से मौत हो गई। इस घटना के बाद परिजनों ने मृतक के शव को बिजली घर पर रखकर हंगामा और प्रदर्शन किया। मृतक की पहचान जलालपुर कलां निवासी नितिन सैनी (28) पुत्र राजपाल के रूप में हुई। नितिन अपने पीछे पत्नी और 6 माह की बेटी प्रियांशी को छोड़ गया है। वहीं उसकी मौत से पूरे परिवार में मातम छाया हुआ है और परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

बता दें कि मामले में प्राप्त जानकारी के मुताबिक बुधवार की सुबह करीब 10:00 बजे गांव जलालपुर में बीती रात आई तेज आंधी और बारिश से पेड़ गिरने के कारण बिजली की लाइन प्रभावित हुई थी नितिन सैनी लाइन ठीक करने के लिए खंबे पर चढ़ा था बताया जा रहा है कि लाइन ठीक करने के लिए उसने शटडाउन भी लिया हुआ था लेकिन लाइन में अचानक विद्युत प्रवाहित होने से वह झुलस गया और उसकी मौत हो गई।लाइनमैन की मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया परिजनों ने गांव स्थित बिजली घर में शव को रखकर जमकर प्रदर्शन और हंगामा कर दिया। देखते ही देखते सैकड़ो लोगों की भीड़ जमा हो गई स्थिति की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय पुलिस बल मौके पर पहुंचा और भीड़ को नियंत्रित किया। थाना प्रभारी रजबपुर संजय कुमार सिंह ने बताया कि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है उन्होंने कहा है कि मामले में तहरीर प्राप्त होने के बाद आगे की वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। हादसे के कारणों की पुष्टि अभी नहीं हो सकी है और पुलिस जांच में जुटी है।

माटीकला के परम्परागत कारीगरों उद्यमियों को मिलेंगे नि:शुल्क विद्युत चालित कुम्हारी चॉक

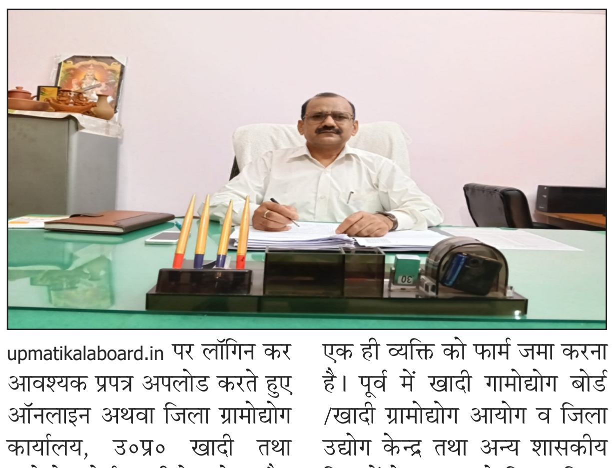

अमरोहा (सब का सपना):- जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गजेन्द्र सिंह ने अवगत कराया कि महाप्रबन्धक , उ०प्र० माटीकला बोर्ड, लखनऊ द्वारा माटीकला एवं माटी शिल्पकला को बढावा देने हेतु वित्तीय वर्ष 2026-27 में जनपद अमरोहा के माटीकला कारीगरों को निःशुल्क माटीकला टूल किट्स वितरण योजना के अन्तर्गत 30 विद्युत चालित चाक प्रदान किये जाने का लक्ष्य प्रदान किया गया है। विद्युत चालित चाक हेतु जनपद के माटीकला के कारीगर आवेदन कर सकते है। उ०प्र० सरकार की मंशा के अनुसार मिट्टी के बर्तनों एवं खिलौनों, मूर्तियों आदि को बनाकर जिविकोपार्जन करने वाले ऐसे कुम्हारों एवं परम्परागत कारीगरों जिनकी उम्र 18 वर्ष से 55 वर्ष के बीच हो, को निःशुल्क विद्युत चालित चाक (इलेक्ट्रिक पाटर व्हील) मशीन उपलब्ध कराया जाना है। अतः उक्त कार्य से जुडे कारीगर upmatikalaboard.in पर लॉगिन कर आवश्यक प्रपत्र अपलोड करते हुए ऑनलाइन अथवा जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, उ०प्र० खादी तथा गामोद्योग बोर्ड, मालीखेड़ा रोड़, मौ० पुष्करनगर, नियर रेलवे स्टेशन, जनपद अमरोहा से आवेदन फार्म प्राप्त कर दिनांक 30.05.2026 तक जमा कर सकते हैं। आवेदन फार्म के साथ आधार कार्ड, राशन कार्ड, फोटो, शैक्षिक प्रमाण पत्र एवं जाति प्रमाण पत्र की प्रति संलग्न करना अनिवार्य है। एक परिवार से एक ही व्यक्ति को फार्म जमा करना है। पूर्व में खादी गामोद्योग बोर्ड /खादी ग्रामोद्योग आयोग व जिला उद्योग केन्द्र तथा अन्य शासकीय विभागों के माध्यम से जिस परिवार में यदि कुम्हारी चाक का लाम मिल चुका है, उस परिवार का कोई भी लाभार्थी योजना के अन्तर्गत पात्र नही है। लाभार्थियों के चयन में ऐसे व्यक्तियों को प्राथमिकता प्रदान की जायेगी जो आर्थिक रूप से निर्बल हो तथा जिनका जिविकोपार्जन एक मात्र माटीकला व्यवसाय पर ही निर्भर है। योजनान्तर्गत चयन समिति द्वारा चयन किये जाने पर सम्बन्धित आवेदक को विभागीय ग्रामोद्योग प्रशिक्षण केन्द्र नजीबाबाद जनपद बिजनौर से 03 दिवसीय प्रशिक्षण अनिवार्य रूप से प्राप्त करना होगा। पर्यावरण को सतृत हो रहे नुकसान के दृष्टिगत प्लास्टिक से निर्मित कप, प्लेट, गिलास थाली आदि के उपयोग के स्थान पर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मिट्टी के बर्तनों को अधिकाधिक उपयोग में लाये जाने पर बल दिया जा रहा है तथा वर्तमान में मिट्टी के बर्तनों की मांग भी प्रतिदिन बढ़ती जा रही है जिस कारण इस व्यवसाय को नये उपकरणों के साथ स्थापित करने पर अधिकाधिक रोजगार सृजन होने तथा आर्थिक उन्नति होने की सम्भावना है। अतः जनपद के माटीकला कारीगरों को निःशुल्क माटीकला टूल किट्स वितरण योजना के अन्तर्गत आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं।

मंडी धनौरा में पुरानी रंजिश में महिला पर लाठी डंडों से हमला,चार पर केस दर्ज

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की मंडी धनौरा स्थित एक बैंकट हॉल में दावत के दौरान एक महिला पर पुराने रंजिश के चलते हमला कर दिया गया। इस दौरान महिला के साथ गाली गलौज और लाठी डंडों से जमकर मारपीट की गई। इस मामले में पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है और मामले की जांच में जुटी है।

बता दें कि मामले में प्राप्त जानकारी के मुताबिक थाना क्षेत्र के गांव करमपुर निवासी कमलेश पत्नी सुरेश ने पुलिस को तहरीर में बताया कि यह घटना 26 अप्रैल को हुई थी। वह गांव मलगपुर में अपने रिश्तेदारी में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए गई थी। पीड़िता कमलेश के अनुसार शाम करीब 4:00 बजे जब वह खाना खा रही थी तभी गांव चौहड़पुर थाना बछरायूं निवासी जगदीश उसके पुत्र सोनू व पुत्री किरन और दामाद विजेंद्र निवासी बाड़ीवाला ,जनपद बिजनौर ने उन्हें घेर लिया, पीड़िता का आरोप है कि आरोपियों ने पहले उन्हें गंदी गंदी गालियां दी जब उन्होंने उनका विरोध किया तो आरोपियों ने लाठी डंडों से उन पर हमला कर दिया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आई हैं। शोर सुनकर जब अन्य लोग बीच-बीच बचाव के लिए आए तो आरोपी उन्हें जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए ।मंडी धनौरा थाना प्रभारी अमरपाल सिंह ने बताया है कि पीड़िता की शिकायत के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

पुलिस ने किया शातिर ठग गिरोह का खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार

महिला को बहलाकर जेवर ठगने वाले गैंग का पदार्फाश,बीस हजार चार सौ रुपये,बरामद

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार व अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी गुन्नौर आलोक सिद्धू के नेतृत्व में चलाए जा रहे वांछित अपराधी अभियान के तहत थाना बबराला पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना प्रभारी सौरभ त्यागी की टीम ने बुधवार को चेकिंग के दौरान नूरपुर तिराहा से एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपी असलम पुत्र लालदीन (40) जिसे न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। पुलिस ने आरोपी के पास से 20,400 रुपये बरामद किए हैं, जो ठगी कर बेचे गए जेवरों में उसके हिस्से के बताए जा रहे हैं।

पुलिस के अनुसार, 13 अप्रैल को पीड़ित अनिल गुप्ता निवासी इन्द्रा चौक, बबराला ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि अज्ञात लोगों ने उसकी मां को बातचीत में उलझाकर धोखे से उनके सोने के कुंडल और चेन ठग ली। इस मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और ह्ययक्ष एपह्न की मदद से आरोपियों की पहचान की। इसके बाद बुधवार को चेकिंग के दौरान असलम को गिरफ्तार कर लिया गया।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपने साथियों वारिस उर्फ वरीसुद्दीन उर्फ कोतल और मजाहिद उर्फ टोंटा के साथ मिलकर महिलाओं को बहलाकर उनके जेवर उतरवा लेते थे। घटना वाले दिन भी उन्होंने एक महिला को झांसा देकर उसके जेवर पर्स में रखवाए और मौका पाकर पर्स लेकर फरार हो गए। बाद में जेवरों को राह चलते लोगों को बेचकर रकम आपस में बांट ली।

पुलिस अन्य फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है और गिरोह के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है।

अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त सुमंगलम मेटरनिटी एंड हार्ट केयर सेंटर का शुभारंभ

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के चन्दौसी रोड बहजोई स्थित सुमंगलम मेटरनिटी एंड हार्ट केयर सेंटर एवं एडवांस चाइल्ड केयर सेंटर का बुधवार को विधिवत फीता काटकर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य लोग, चिकित्सक व स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान आए हुए अतिथियों और लोगों के लिए भोजन की भी व्यवस्था की गई।

अस्पताल में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से लैस सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। यहां प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. शिखा अग्रवाल (M.B.B.S., D.G.O) द्वारा महिलाओं से संबंधित रोगों का उपचार किया जाएगा, जबकि बाल रोग विशेषज्ञ डा. चिराग वार्ष्णेय (M.B.B.S., M.D., Pediatrics, Fellowship in Neonatology) नवजात एवं बच्चों की देखभाल करेंगे। साथ ही डा. भरत वार्ष्णेय (M.D. Internal Medicine)) और जनरल सर्जन डा. शहजाद आलम (M.S., F.I.C.S.) भी अपनी सेवाएं देंगे।

अस्पताल में आईसीयू (ICU), एनआईसीयू (NICU), पीडियाट्रिक आईसीयू, नवजात शिशुओं के लिए नर्सरी (Neonatal ICU), कम्प्यूटरीकृत पैथोलॉजी, अल्ट्रासाउंड, ईसीजी, फोटोथेरेपी (पीलिया का इलाज), सीपीएपी एवं वेंटिलेटर जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसके अलावा 24 घंटे इमरजेंसी सेवा, सम्पूर्ण टीकाकरण, नेबुलाइजर एवं सामान्य व ऑपरेशन द्वारा डिलीवरी की सुविधा भी प्रदान की जाएगी। अस्पताल में कार्यकर्ता चिकित्सक टीम ने बताया कि गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं के बेहतर इलाज के उद्देश्य से इस सेंटर की स्थापना की गई है, जिससे क्षेत्र के लोगों को अब बड़े शहरों की ओर नहीं जाना पड़ेगा।

पुलिस की सतर्कता से रुका बाल विवाह, परिवार को किया जागरूक

बनियाठेर/सम्भल(सब का सपना):- अपर पुलिस महानिदेशक महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन, लखनऊ के आदेशों के अनुपालन तथा पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन में जनपद में बाल विवाह रोकने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बनियाठेर क्षेत्र में एक संभावित बाल विवाह को समय रहते रोक दिया गया।

जानकारी के अनुसार ग्राम मझावली में बाल विवाह होने की सूचना मिलने पर एएचटीयू थाना प्रभारी निरीक्षक मेघपाल सिंह अपनी टीम के साथ तथा वरिष्ठ उप निरीक्षक रोशन अली थाना बनियाठेर पुलिस व बाल संरक्षण इकाई के साथ मौके पर पहुंचे। टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए विवाह रुकवाया और जांच की। सत्यापन के दौरान पाया गया कि विवाह में शामिल लड़की की आयु 18 वर्ष से कम है, जो कि कानूनन बाल विवाह की श्रेणी में आता है। इसके बाद पुलिस टीम ने परिजनों को बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के प्रावधानों की जानकारी दी और इसके दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से समझाया।

पुलिस ने स्पष्ट किया कि बाल विवाह कानूनन दंडनीय अपराध है और ऐसे मामलों में आयोजकों व शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस पर बालिका के परिजनों ने कानून की जानकारी न होने की बात कहते हुए लिखित आश्वासन दिया कि बालिका का विवाह 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने के बाद ही किया जाएगा।

पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि बाल विवाह से संबंधित किसी भी सूचना को तत्काल 112, 1076, 181, 1090, 1098 या 108 नंबर अथवा स्थानीय पुलिस व चाइल्डलाइन को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई कर बच्चों का भविष्य सुरक्षित किया जा सके।

परिवार परामर्श केंद्र की बैठक आयोजित, कई मामलों में सुलह का प्रयास

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिण) मनोज कुमार रावत व क्षेत्राधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में चल रहे पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र के अंतर्गत बुधवार को चंदौसी स्थित गौशाला रोड पिंक चौकी में बैठक आयोजित की गई।

बैठक परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ. रूकम पाल सिंह की देखरेख में संपन्न हुई, जिसमें पति-पत्नी के बीच चल रहे आपसी विवादों को काउंसलरों की मदद से सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास किया गया।

इस दौरान कुल 13 पत्रावलियों की सुनवाई की गई, जिनमें से 4 मामलों का निस्तारण किया गया। इनमें एक परिवार का आपसी समझौता कराया गया, जबकि 3 पत्रावलियां आवेदकों द्वारा आगे कार्यवाही न करने या अन्य कारणों से बंद कर दी गईं।

बैठक में काउंसलर श्वेता गुप्ता, संगीता भार्गव, उप निरीक्षक महेश गंगवार, हेड कांस्टेबल रुचि तथा होमगार्ड करुणा सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण, बहजोई में हुआ भव्य कार्यक्रम

प्रधानमंत्री के संबोधन का लाइव प्रसारण, जनप्रतिनिधियों ने गिनाए विकास के लाभ

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- मेरठ से प्रयागराज तक 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण बुधवार को हरदोई से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया। इसके उपलक्ष्य में जनपद सम्भल के विकासखंड बहजोई के ग्राम लहरावन स्थित गंगा एक्सप्रेसवे इंटरचेंज के पास जनपद स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहां कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रभारी मंत्री एवं राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) होमगार्ड्स व नागरिक सुरक्षा उत्तर प्रदेश सरकार धर्मवीर प्रजापति उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. अनामिका यादव, विधान परिषद सदस्य गोपाल अंजान, भाजपा जिलाध्यक्ष हरेंद्र सिंह रिंकू, पूर्व मंत्री अजीत कुमार उर्फ राजू यादव, पूर्व एमएलसी परमेश्वर लाल सैनी, पूर्व जिलाध्यक्ष ओमवीर सिंह खडगवंशी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय बहजोई की छात्राओं ने सरस्वती वंदना व स्वागत गीत प्रस्तुत किया। जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने मुख्य अतिथि व अन्य अतिथियों का पुष्प व पुस्तक भेंट कर स्वागत किया। छात्राओं द्वारा जनगणना 2027 के अंतर्गत स्वगणना पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए, जबकि सूचना विभाग लखनऊ के कलाकारों ने गंगा एक्सप्रेसवे पर आधारित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया।

इस दौरान हरदोई से प्रधानमंत्री द्वारा किए गए लोकार्पण का लाइव प्रसारण सभी अतिथियों व जनसमूह ने देखा और सुना। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि गंगा एक्सप्रेसवे से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

जिलाधिकारी डॉ. पैंसिया ने बताया कि गंगा एक्सप्रेसवे जनपद सम्भल में लगभग 38.65 किलोमीटर लंबा है और 31 गांवों से होकर गुजरता है। जनपद में खिरनी मउद्दीनपुर व लहरावन में दो इंटरचेंज बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि एक्सप्रेसवे से

कलक्ट्रेट सभागार में जिला पर्यावरण व वृक्षारोपण समिति की बैठक आयोजित

डीएम ने प्लास्टिक पर सख्ती, बायोमेडिकल वेस्ट निस्तारण और वृक्षारोपण लक्ष्य पर दिए निर्देश

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई स्थित कलक्ट्रेट सभागार में बुधवार को जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में जिला पर्यावरण समिति, जिला वृक्षारोपण समिति तथा जिला गंगा समिति की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी प्रीति यादव ने विभिन्न एजेंडा बिंदुओं से जिलाधिकारी को अवगत कराया।

बैठक के दौरान ठोस अपशिष्ट, प्लास्टिक अपशिष्ट, जैव चिकित्सा अपशिष्ट (बायोमेडिकल वेस्ट) तथा ई-वेस्ट प्रबंधन पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारियों, नगर पालिका एवं नगर पंचायत तथा जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया कि प्लास्टिक और पॉलीथिन के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा लोगों को अधिक से अधिक कपड़े के थैले उपयोग करने के लिए जागरूक किया जाए।

जिलाधिकारी ने बायोमेडिकल वेस्ट के सुरक्षित निस्तारण पर भी विशेष जोर देते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही वृक्षारोपण के लक्ष्य की विभागवार समीक्षा कर समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

वृक्षारोपण के लिए गड्ढा खुदान की प्रगति पर जानकारी लेते हुए डीएम ने कहा कि तीन दिन के भीतर इसकी सूचना संबंधित विभाग को भेजी जाए और गड्ढों की पर्याप्त गहराई सुनिश्चित की जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में जिलाधिकारी ने बढ़ती गर्मी को देखते हुए लू से बचाव के उपायों पर भी जानकारी दी और सावधानी बरतने की अपील की।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, प्रभागीय वनाधिकारी प्रीति यादव, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष ओमवीर सिंह खडगवंशी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पंकज बिश्नोई, अपर मुख्य जिला पंचायत अधिकारी आशीष सिंह, उप कृषि निदेशक अरुण कुमार त्रिपाठी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी शैलेन्द्र गौतम, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर बैठक, विद्युत मामलों के निस्तारण पर जोर

9 मई को होने वाली लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु अधिकारियों को दिए निर्देश

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में आगामी 9 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर बुधवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सम्भल स्थित चंदौसी डॉ. विदुषी सिंह के आदेशानुसार प्रभारी सचिव दीपक कुमार जायसवाल के विश्राम कक्ष में आयोजित हुई, जिसमें विद्युत विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक में प्रभारी सचिव ने विद्युत विभाग से संबंधित लंबित मामलों–विशेषकर बिजली बिल विवाद, बकाया राशि एवं संयोजन से जुड़े प्रकरणों–के अधिकतम निस्तारण पर जोर दिया। उन्होंने सभी एसडीओ को निर्देशित किया कि अधिक से अधिक मामलों को राष्ट्रीय लोक अदालत में संदर्भित किया जाए, ताकि उपभोक्ताओं को त्वरित और सुलभ न्याय मिल सके।

उन्होंने यह भी कहा कि लोक अदालत एक प्रभावी वैकल्पिक विवाद निस्तारण मंच है, जिससे समय और धन दोनों की बचत होती है, इसलिए उपभोक्ताओं को इसके प्रति जागरूक करना आवश्यक है।

बैठक में जी.के. गुप्ता (एसडीओ-02 सम्भल), दिनकर पटेल (एसडीओ गवां), राहुल सिंह (एसडीओ-03 सम्भल), अजय कुमार (एसडीओ धनारी), चन्द्रभूषण (एसडीओ-04 सम्भल), जगदीश कुमार (एसडीओ-02 चंदौसी), मनोज कुमार यादव (एसडीओ-03 चंदौसी), अजय कुमार चौरसिया (एसडीओ-05 चंदौसी), सैनन जोशी (एसडीओ गुन्नौर), ताहिर हुसैन (एसएचओ), अखिलेश कुमार (सहायक अभियंता पंवासा) एवं जय प्रकाश वार्ष्णेय (सहायक अभियंता सम्भल) सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इस संबंध में जानकारी प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दी गई।

देवरखेड़ा में सपा की PDA पंचायत, नरेश उत्तम पटेल रहे मुख्य अतिथि

संविधान, सामाजिक न्याय और 2027 की रणनीति पर साधा निशाना, एकजुटता का आह्वान

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- विधानसभा क्षेत्र में समाजवादी पार्टी की सक्रियता को आगे बढ़ाते हुए ग्राम देवरखेड़ा में PDA पंचायत कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को किया गया। कार्यक्रम की अगुवाई विधानसभा 31 की उपविजेता एवं सपा की वरिष्ठ नेत्री विमलेश कुमारी ने की, जिसमें फतेहपुर लोकसभा सांसद एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नरेश उत्तम पटेल ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि देश के संविधान को कमजोर करने की कोशिशें की जा रही हैं। उन्होंने महिला आरक्षण बिल को लेकर भाजपा पर राजनीतिक भ्रम फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि समाजवादी पार्टी महिला आरक्षण की समर्थक है, लेकिन ढऊअ समाज की महिलाओं को भी इसमें समुचित भागीदारी मिलनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग की संख्या अधिक होने के बावजूद भाजपा शासन में इन्हीं वर्गों का सबसे अधिक उत्पीड़न हो रहा है। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि PDA समाज को एकजुट कर समाजवादी पार्टी को मजबूत बनाया जाए, ताकि वर्ष 2027 में अखिलेश यादव को पुनः मुख्यमंत्री बनाया जा सके। कार्यक्रम की आयोजक विमलेश कुमारी ने अपने संबोधन में कहा कि समाजवादी कार्यकताओं को व्यक्तिगत मतभेद भुलाकर संगठन की मजबूती पर ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि सामाजिक एकता और संगठन की ताकत से ही भाजपा को पराजित किया जा सकता है।

कार्यक्रम के अंत में उन्होंने सभी नेताओं, कार्यकताओं एवं ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संजय मदान, गुलशन राय, मास्टर आकिल, तरुण वार्ष्णेय, रेनू कुमारी, मनीष, वीरपाल, विनीत, साजिद कुरैशी, अजय कश्यप, राजा मलिक, बलवंत सिंह, मुजम्मिल खान, मोहम्मद अखलाख, बिंटू यादव, हरीश यादव, गीता वाल्मीकि, डॉ. खमानी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

PDA पंचायत के माध्यम से चंदौसी विधानसभा क्षेत्र में सामाजिक न्याय, संविधान बचाओ और संगठन मजबूती का संदेश दिया गया।

पुलिस मुठभेड़ में गोवध कांड का एक आरोपी गिरफ्तार, दूसरा साथी फरार

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के चांदपुर थाना क्षेत्र में गोवध से जुड़े मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। बीते दिनों दर्ज मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया, जबकि उसका एक साथी मौके से फरार हो गया। पुलिस के अनुसार 14 अप्रैल 2026 को ग्राम रहतपुर नंगला के पास गोवंश के अवशेष मिलने की सूचना पर मामला दर्ज किया गया था। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम का गठन किया गया और लगातार तलाश की जा रही थी। इसी क्रम में 16/17 अप्रैल की रात

चेकिंग के दौरान संदिग्धों से मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में आरोपी अजीम उर्फ छंगा (निवासी रहतपुर नंगला) पुलिस की जवाबी कार्रवाई में घायल हो गया, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उसके कब्जे से अवैध तमंचा, कारतूस, पशु काटने के उपकरण, एक मोटरसाइकिल और नकदी बरामद की है। घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस के अनुसार इस घटना में शामिल एक अन्य आरोपी अभी फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर गोवध की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया है। मामले में पहले ही संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जा चुका है और अब मुठभेड़ के संबंध में भी अतिरिक्त धाराएं जोड़ी जा रही हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सघन अभियान चलाया जा रहा है और फरार आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

आवारा कुत्तों के झुंड ने बच्चों पर बोला हमला, दुकानदार ने बचाया

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- नगर के गुरुद्वारा क्षेत्र में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। ताजा घटना ने पूरे इलाके को दहला दिया, जब स्कूल से घर लौट रहे मासूम बच्चों पर कुत्तों के झुंड ने अचानक हमला कर दिया। यह पूरी घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो अब लोगों के बीच दहशत फैला रहा है।

वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कुत्तों के झुंड ने बच्चों को घेर लिया और बच्चे जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। इसी दौरान पास में मौजूद एक दुकानदार ने

हिम्मत दिखाते हुए बच्चों को बचाया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि गुरुद्वारे के आसपास आवारा कुत्तों का झुंड अक्सर बना रहता है और अब तक कई लोगों, खासकर बच्चों पर हमले हो चुके हैं। घटना के बाद इलाके में भारी आक्रोश और डर का माहौल है। मोहल्ले वासियों ने नगर पालिका पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि कई बार शिकायत के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिए अभियान नहीं चलाया गया तो वे सड़क पर उतरकर आंदोलन करने को मजबूर होंगे। सूचना के बाद मामला पुलिस तक भी पहुंच गया है, जबकि नगर पालिका प्रशासन पर अब कार्रवाई का दबाव बढ़ता जा रहा है। फिलहाल पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है, खासकर बच्चे घर से निकलने में डर महसूस कर रहे हैं।

तपती धूप में नजीबाबाद में चला पेयजल वितरण अभियान

बिजनौर (सब का सपना):- तपती गर्मी के बीच नजीबाबाद क्षेत्र में राहगीरों और श्रमिकों को राहत देने के लिए जल जीवन मिशन के अंतर्गत एक सराहनीय पहल की गई। विध्या टेलीलिंक लिमिटेड द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में लोगों को ठंडा पेयजल उपलब्ध कराया गया, जिससे भीषण गर्मी में राहत महसूस की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल पेयजल वितरण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि लोगों को हीट स्ट्रेस से बचाव के प्रति जागरूक करना भी रहा। अधिकारियों और कर्मचारियों ने मौके पर मौजूद लोगों को गर्मी से बचने के उपाय बताते हुए नियमित

अंतराल पर पानी पीने, धूप से बचाव और स्वास्थ्य का ध्यान रखने की अपील की। सेफ्टी फर्स्ट का संदेश देते हुए कार्यस्थलों पर सुरक्षा नियमों के पालन पर भी विशेष जोर दिया गया। इस दौरान कंपनी के सुरक्षा अधिकारी शाने अब्बास और प्रबंधक कौशल सिंह ने कहा कि भीषण गर्मी में इस तरह के प्रयास न केवल राहत पहुंचाते हैं, बल्कि लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सचेत भी करते हैं।

उन्होंने बताया कि आगे भी इस तरह के जनहित कार्यक्रम जारी रखे जाएंगे। कार्यक्रम में सीनियर जीएम संजय हंडू, नरपाल कुमार, नीरज, कृष्णानंद और साइट इंजीनियर छतरपाल सिंह सहित अन्य कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी रही। सभी ने मिलकर व्यवस्था संभाली और लोगों को जागरूक करने में योगदान दिया।

गर्मी से राहत के इंतजाम तेज करने के निर्देश

डीएम ने निकायों की समीक्षा बैठक में कसे पेंच

बिजनौर (सब का सपना):- कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी जसजीत कौर ने नगरीय निकायों द्वारा संचालित विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की। बैठक में खासतौर पर गर्मी के मौसम को देखते हुए आमजन को राहत देने के उपायों पर जोर दिया गया।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि शहर के प्रमुख चौराहों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही बस स्टैंड और सार्वजनिक स्थलों पर टीन शेड लगाकर छाया की व्यवस्था करने को कहा, ताकि राहगीरों को तेज धूप से राहत मिल सके। पेयजल स्थलों की नियमित सफाई और रखरखाव पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। गोशालाओं की स्थिति पर भी जिलाधिकारी ने सख्ती दिखाई। उन्होंने सभी अधिशासी अधिकारियों को नियमित निरीक्षण करने, गोवंशों के लिए पानी, चारा और छाया की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। गोशालाओं में पारदर्शिता और निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में पेयजल योजनाओं, जल टंकी निर्माण, पीएम स्वनिधि योजना, स्वच्छता अभियान और प्रधानमंत्री आवास योजना की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने लंबित कार्यों को समयबद्ध और गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही अवैध अतिक्रमण हटाने, स्ट्रीट लाइट व्यवस्था दुरुस्त रखने और कर वसूली बढ़ाने पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि जन शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन अंशिका दीक्षित सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

लू से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग ने जारी किए दिशा-निर्देश

बिजनौर (सब का सपना):- जिले में लगातार बढ़ती गर्मी और लू के थपेड़ों ने जनजीवन को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। स्योहारा क्षेत्र में दोपहर के समय तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो गया। इसी बीच सीएचसी स्योहारा के अधीक्षक डॉ बी.के. स्नेही ने शासन से प्राप्त विशेष एडवाइजरी जारी कर आमजन से सतर्क रहने की अपील की है।

उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में तापमान 44 से 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है, जिससे हीट वेव का खतरा बढ़ सकता है। दोपहर के समय तेज धूप में लोगों को खास एहतियात बरतने की जरूरत है। सड़कों पर छाता और गमछा लेकर निकलते लोग तथा स्कूल से लौटते बच्चे भी गर्मी से बचाव करते नजर आए।

डॉ स्नेही ने बताया कि लू लगने पर त्वचा का लाल और शुष्क हो जाना, पसीना न आना, तेज धड़कन, सिरदर्द, चक्कर और कमजोरी जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। ऐसे में तुरंत छांव में ले जाकर प्राथमिक उपचार देना और चिकित्सक से संपर्क करना जरूरी है।

उन्होंने लोगों को अधिक से अधिक पानी पीने, हल्के रंग के कपड़े पहनने, धूप में निकलते समय छाता या टोपी का उपयोग करने की सलाह दी। साथ ही बासी भोजन से बचने और ताजे फल, लस्सी, छाछ व नींबू पानी जैसे पेय पदार्थों का सेवन करने की अपील की। सीएचसी स्योहारा में हीट वेव से प्रभावित मरीजों के लिए 5 बेड आरक्षित किए गए हैं। अधीक्षक ने कहा कि किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या होने पर तुरंत स्वास्थ्य केंद्र पर संपर्क करें।

इंद्रलोक कॉलोनी में दर्दनाक घटना, आत्मघाती कदम के बाद कर्मचारी की मौत

बिजनौर (सब का सपना):- शहर कोतवाली क्षेत्र की इंद्रलोक कॉलोनी में घरेलू विवाद के बाद खुद को गोली मारने वाले नायब नाजिर की उपचार के दौरान मौत हो गई। चांदपुर तहसील में तैनात 50 वर्षीय संजीव चौधरी उर्फ महावीर ने सोमवार दोपहर अपने घर पर लाइसेंसी पिस्टल से खुद को गोली मार ली थी। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां बुधवार को इलाज के दौरान उनका निधन हो गया।

घटना के बाद परिजनों में अफरा-तफरी मच गई थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल अवस्था में संजीव चौधरी को अस्पताल पहुंचाया और मामले की जांच शुरू की। पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी

मिला है, जिसमें पत्नी से चल रहे विवाद को इस कदम का कारण बताया गया है। मौके से पुलिस ने 12 बोर की डबल बैरल बंदूक और 32 बोर की पिस्टल भी बरामद की है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, बरामद हथियार लाइसेंसी बताए जा रहे हैं और पूरे मामले की विधिक जांच की जा रही है।

बताया जा रहा है कि संजीव चौधरी पहले भी मानसिक तनाव से जूझ रहे थे और करीब पांच-छह वर्ष पूर्व उन्होंने अपने पैर में गोली मार ली थी। इस बार उन्होंने खुद को गंभीर रूप से घायल कर लिया, जिससे उनकी जान नहीं बच सकी।

घटना के बाद प्रशासनिक महकमे में भी शोक की लहर है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और पूरे मामले की जांच जारी है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बीएसए ने किया कम्पोजिट विद्यालय खेड़ा का निरीक्षण, लापवाही पर स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के विकास खण्ड अमरोहा क्षेत्र के कम्पोजिट विद्यालय खेड़ा में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉक्टर मोनिका ने कम्पोजिट विद्यालय खेड़ा, विकास खण्ड अमरोहा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में पाया गया कि खेल सामग्री का क्रय इस वित्तीय वर्ष में नहीं किया गया। पुरानी खेल सामग्री दिखाई गई तथा कम्पोजिट ग्रान्ट के बिल वाउचर नहीं दिखाये गये। आंगनवाड़ी में स्टेशनरी नहीं मिली। किचन गार्डन का अद्यतन तक कोई कार्य नहीं किया गया है। परिचारक गेट पर बैठने के बजाय कक्षा कक्ष में बैठे पाये गये जबकि छात्र/छात्राऐं गेट से बाहर घूम रहे थे। ईको क्लब गठन हेतु कोई कार्य नहीं किया गया। स्टाफ उपस्थिति पंजिका तथा रसोईया उपस्थिति पंजिका अलग अलग बनाई गई है। ग्रीन बोर्ड नहीं लगे हैं। प्रेरणा पोर्टल पर किताबों का डी0सी0एफ0 भी नहीं भरा गया है। अध्यापक फोटो फ्रेम नहीं बनवाये गये हैं। टैबलेट पर ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज नहीं की जा रही है। विद्यालय में पाई गई कमियों पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमरोहा द्वारा नाराजगी व्यक्त की गई तथा प्रधानाध्यापक को 03 दिन के अन्दर अपना स्पष्टीकरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये। वहीं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, अमरोहा द्वारा 29 अप्रैल को प्राथमिक विद्यालय मिठनपुर कलां, विकास खण्ड अमरोहा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय अधोहस्ताक्षरी द्वारा छात्र उपस्थिति संख्या पूछने पर 135 बताई गई जबकि मौके पर मात्र 97 छात्र/छात्राऐं ही उपस्थित मिले। आप द्वारा मिड-डे-मील पंजिका में 135 बच्चे दर्ज किये गये जो वित्तीय अनियमित्ता है। जिसपर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की। ईको क्लब गठन हेतु कोई कार्य नहीं किया गया। किचन गार्डन विद्यालय में विकसित नहीं किया गया। विद्यालय परिसर में गन्दगी पाई गई व मिड-डे-मील में बनी ताहरी कूड़े में पड़ी मिली। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा विद्यालय परिसर में तत्काल सफाई कराने के निर्देश दिये गये। विद्यालय में पाई

गई कमियों पर प्रधानाध्यापक/इंचार्ज अध्यापक को 03 दिन के अन्दर अपना स्पष्टीकरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये। जिसके बाद जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा 29 अप्रैल को उच्च प्राथमिक विद्यालय मिठनपुर कलां, विकास खण्ड अमरोहा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय अधोहस्ताक्षरी द्वारा छात्र/छात्राओं से मौखिक प्रश्न पूछे गये परन्तु छात्र/छात्राओं द्वारा उत्तर नहीं दिये गये। छात्र/छात्राओं से ब्लैक बोर्ड पर लिखावाये जाने पर छात्र/छात्राऐं लिख नहीं पाये। विद्यालय में शैक्षिक स्तर अत्यन्त न्यून पाया गया। मिड-डे-मील में खाने का सैम्पल विद्यालय में नहीं पाया गया है। इन सभी कमियों पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमरोहा द्वारा नाराजगी व्यक्त की गई तथा प्रधानाध्यापक को 03 दिन के अन्दर अपना स्पष्टीकरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये।

बिजनौर में तेज धूप और लू से जनजीवन बेहाल, तापमान 44 डिग्री पहुंचने के आसार

बिजनौर/स्योहारा (सब का सपना):- जनपद में गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। तेज धूप और चल रही लू ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। बुधवार को सुबह मौसम में थोड़ी नरमी जरूर रही, लेकिन दोपहर होते-होते सूरज की तपिश और गर्म हवाओं ने लोगों का बुरा हाल कर दिया।

दिन चढ़ने के साथ ही तापमान तेजी से बढ़ा और दोपहर में घर से

निकलना लोगों के लिए दूभर हो गया। सड़क पर निकलने वाले लोग छाता, गमछा और टोपी का सहारा लेते नजर आए। स्कूल से लौटते बच्चे भी छाते की छाया में घर पहुंचते दिखाई दिए।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार मई माह में तापमान 44 से 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है, साथ ही लू चलने के भी प्रबल आसार जताए गए हैं। ऐसे में आमजन को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है।

किन्नरों की बधाई वसूली कानूनी अधिकार नहीं—हाईकोर्ट का अहम फैसला

बिजनौर (सब का सपना):- किन्नरों द्वारा बधाई के नाम पर धन वसूली को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि बधाई लेना किन्नरों का कोई कानूनी अधिकार नहीं है और बिना वैधानिक आधार के किसी से धन वसूली करना अवैध माना जाएगा। यह फैसला गोंडा की किन्नर रेखा देवी द्वारा दायर याचिका पर सुनाया गया,

जिसमें उन्होंने वर्षों पुरानी परंपरा का हवाला देते हुए बधाई वसूली के अधिकार और क्षेत्रीय सीमांकन की मांग की थी। हालांकि कोर्ट ने इस दलील को खारिज करते हुए कहा कि किसी भी परंपरा को सिर्फ उसके प्रचलन के आधार पर कानूनी मान्यता नहीं दी जा सकती।

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि यदि कोई अधिकार कानून में निहित नहीं है, तो उसके आधार पर क्षेत्र निर्धारण या सीमांकन की मांग भी स्वीकार नहीं की जा सकती। बधाई वसूली के लिए क्षेत्रों के बंटवारे की मांग को भी न्यायालय ने सिरे से खारिज कर दिया।

हाईकोर्ट ने साफ किया कि धन वसूली केवल कानून के दायरे में ही संभव है और किसी भी प्रकार की जबरन वसूली को संरक्षण नहीं दिया जा सकता।

इस फैसले के बाद प्रदेश भर में किन्नरों की पारंपरिक बधाई प्रथा को लेकर नई बहस शुरू हो गई है।

नेशनल लोकतांत्रिक पार्टी के कार्यकताओं को किया हाउस अरेस्ट

अपराधियों को खुली छूट, न्याय की आवाज पर पहरा क्या यही कानून का राज है?:- तनुज कश्यप

हापुड़ (सब का सपना):- जनपद के गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में नेशनल लोकतांत्रिक पार्टी के जिला प्रवक्ता के भाई पर हुए जानलेवा हमले को 8झ10 दिन बीत चुके हैं। लेकिन अब तक मुख्य हमलावरों की गिरफ्तारी न होना प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर और चिंताजनक सवाल खड़े करता है। यह केवल एक घटना नहीं, बल्कि कानून के भय के खत्म होने और व्यवस्था के कमजोर पड़ने का संकेत है। इस दौरान नेशनल लोकतांत्रिक पार्टी के हापुड़ जिला उपाध्यक्ष तनुज कश्यप ने इस अन्याय के खिलाफ लोकतांत्रिक तरीके से विरोध दर्ज कराने का निर्णय लिया। गंगा एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष काले झंडे दिखाकर ध्यान आकर्षित करने की तैयारी की गई थी ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके और दोषियों की गिरफ्तारी हो लेकिन हैरानी की बात यह है कि अपराधियों पर कार्रवाई करने के बजाय प्रशासन ने पहले ही तनुज कश्यप को हाउस अरेस्ट कर दिया। यह कार्रवाई न केवल लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है, बल्कि यह भी दशार्ती है कि व्यवस्था अपराधियों के प्रति नरम और न्याय मांगने वालों के प्रति कठोर होती जा रही है। इस पूरे घटनाक्रम पर पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुहैल चौधरी व जिला अध्यक्ष मोहित चौधरी ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि लोकतंत्र में आवाज उठाना अपराध नहीं, अधिकार है। अगर सरकार सच में न्याय चाहती है। तो उसे विरोध की आवाज दबाने के बजाय हमलावरों को तुरंत गिरफ्तार करना चाहिए। अन्यथा यह संदेश जाएगा कि प्रदेश में न्याय नहीं, बल्कि चयनात्मक कार्रवाई चल रही है।झनेशनल लोकतांत्रिक पार्टी के पदाधिकारीयो ने सरकार और प्रशासन से स्पष्ट रूप से मांग की है कि जानलेवा हमले के सभी आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए। पीड़ित परिवार को सुरक्षा और न्याय दिया जाए। लोकतांत्रिक विरोध के अधिकार का सम्मान किया जाए और उसे दबाने की कोशिश बंद की जाए।

यदि शीघ्र न्याय नहीं मिला, तो नेशनल लोकतांत्रिक पार्टी प्रदेशभर में व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। न्याय रुकेगा नहीं, आवाज दबेगी नहीं।

पत्नी के हत्यारे पति को पुलिस ने भेजा जेल

बुगरासी/बुलंदशहर (सब का सपना):- स्थानीय पुलिस ने चैकिंग के दौरान किया हत्यारे को गिरफ्तार। जानकारी के अनुसार थाना नरसेना पुलिस नरसेना यूनिसपुर के बीच राजबाहे के पास यात्री शैड के पास चैकिंग कर रही थी तथी एक व्यक्ति आता दिखाई दिया जो पुलिस को देखकर दबे पांव चलने लगा। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर उसे पकड लिया। पूछताछ करने पर अपना नाम कृष्ण कुमार पुत्र जगत सिंह निवासी फरीदा बांगर चौकी बुगरासी बताया। पुलिस के अनुसार कृष्ण कुमार वही व्यक्ति है जिसने चार दिन पहले शराब के नशे में अपनी पत्नी के उपर पैट्रोल छिडक कर आग लगा दी थी। दिल्लीअस्पताल में इलाज चल रहा था।

28 अप्रैल को उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों ने गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार कर दिया । पुलिस ने उस शराबी व्यक्ति कृष्ण कुमार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर जेल भेज दिया है।

बंदरों ने मासूम बच्चे पर किया हमला, हायर सेंटर रेफर

गुलावठी/बुलंदशहर (सब का सपनाः- बुधवार को पांच वर्षीय बच्ची पर बंदरों ने अचानक हमला कर दिया। बंदरों ने बच्ची के चेहरे और हाथों पर कई जगह काटा, जिसके बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। घटना नगर के मोहल्ला पीरखां में खतीजा मस्जिद के पास हुई। व्यापारी सलमान सिद्दीकी की पांच वर्षीय बेटी अरीबा घर के पास ही एक दुकान से कुछ सामान लेने गई थी। इसी दौरान बंदरों के झुंड ने उस पर हमला कर दिया। अरीबा के चीखने-चिल्लाने पर आसपास के लोग उसे बचाने दौड़े, लेकिन तब तक बंदर उसे कई जगह काट चुके थे। बच्ची को तुरंत सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे रेफर कर दिया गया। नगर में बंदरों के हमले लगातार बढ़ रहे हैं। पिछले 15 दिनों में 10 से अधिक बच्चे घायल हो चुके हैं। जबकि पिछले 3 महीनों में दर्जनों लोग बंदरों का शिकार बन चुके हैं। स्थानीय लोगों ने अधिकारियों और भाजपा जनप्रतिनिधियों से बंदरों को पकड़ने का अभियान चलाने की गुहार लगाई है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में काव्य पाठ करने पर रवीन्द्र राणा हुए सम्मानित

गुलावठी/बुलंदशहर (सब का सपना):- बाल प्रहरी एवं बाल साहित्य संस्थान अल्मोड़ा द्वारा आज ऑनलाइन 1457 वां अखिल भारतीय कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। इस अखिल भारतीय कवि सम्मेलन की अध्यक्षता डॉ अशोक कुमार नेगी जी ने की। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ रश्मि अग्रवाल रहीं और डॉ इंदू गुप्ता जी ने कुशल मंच संचालन किया। देश के सुप्रसिद्ध कवियों कवयित्रियों ने काव्य पाठ प्रस्तुति दी। इस मौके पर गुलावठी बुलंदशहर निवासी प्रख्यात पर्यावरणविद एवं साहित्यकार रवीन्द्र कुमार राणा ने बतौर विशिष्ट अतिथि 'ये आकाशवाणी है' शीर्षक से काव्य पाठ किया। बाल प्रहरी एवं बाल साहित्य संस्थान अल्मोड़ा ने रवीन्द्र राणा जी को प्रशस्ति पत्र प्रदान करके सम्मानित किया है।

खुर्जा तिहरे हत्याकांड के वादी व गवाह को पुलिस सुरक्षा

खुर्जा/बुलंदशहर (सब का सपना):- सुभाष मार्ग स्थित आरजेएस जिम में हुए तिहरे हत्याकांड के बाद पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड में है। एसपी देहात अंतरिक्ष जैन के निर्देश पर मामले के वादी स्वरूप सैनी और मुख्य गवाह संजय सैनी को ट्रायल पूरा होने तक पुलिस सुरक्षा प्रदान की गई है।

घटना में मनीष सैनी, अमरदीप सैनी और आकाश की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मृतक अमरदीप के पिता की तहरीर पर 10 आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने पीड़ित परिवार के घर के पास पिकेट भी तैनात कर दी है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

प्रेमिका को जलाने का आरोपी प्रेमी गिरफ्तार

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- अहमदगढ़ थाना क्षेत्र के गांव सालवानपुर में प्रेमिका पर पेट्रोल डालकर आग लगाने के मामले में मुख्य आरोपी आशीष को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर एसएसपी बुलंदशहर द्वारा 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस ने उसे गांव के पास नहर पुल से पकड़ा।

थाना प्रभारी के अनुसार, घटना में शामिल अन्य चार नामजद अभियुक्त (तीन महिलाएं सहित) अभी फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। मामले में साक्ष्य संकलन और तकनीकी जांच जारी है।

हरियाणा में सरकारी कारस्तानी... किसान के खेत में बना दी सड़क, एक मकान बचाने के लिए 90 डिग्री का लिया कट

चरखी दादरी। डीसी साहब पीडब्ल्यूडी ने मेडिकल कॉलेज रोड का निर्माण बिना पैमाइश ही करवा दिया। राजस्व विभाग की रिपोर्ट में रास्ता बिल्कुल सीधा है जबकि विभाग ने एक जगह किसान के खेत में आठ फीट का रोड बना डाला और दूसरी जगह एक मकान को बचाने के लिए रोड को 90 डिग्री के कोण पर मोड़कर ब्लैक स्पाट बना दिया। यह शिकायत अधिवक्ता कुलवंत फोगाट ने सोमवार को आयोजित कष्ट निवारण समिति की बैठक में की। इस पर संज्ञान लेकर डीसी डा. मुनीश नागपाल ने मौके पर पैमाइश करवाने गए एसडीएम डा. विरेंद्र सिंह से बात की तो उन्होंने भी इसकी हामी भर ली। हालांकि एसडीएम ने कहा कि अभी पैमाइश की अंतिम रिपोर्ट आनी बाकी है और इसके चलते डीसी ने इस परिवाद को अगली बैठक के लिए लंबित रख लिया फैमिली आइडी में मृत दिखाया, फिर जिंदा दिखाया तो जोड़ दिए चार सदस्य

चंपापुरी निवासी संतरा देवी का परिवाद भी बैठक में रखा गया। वो तो बैठक में नहीं पहुंच पाई, लेकिन बेटे कैलाश को उन्होंने अपना पक्ष रखने भेजा। कैलाश ने कहा कि फैमिली आइडी में उसकी मां को पहले मृत दिखाया दिया और उसके बाद जिंदा दिखाया गया तो साथ में चार लोगों के नाम जड़ो दिए जो उनके परिवार के सदस्य ही नहीं है। डीसी ने तमाम चूक को 25 मई से पहले दुरुस्त कराने के निर्देश दिए।

बाबा साहेब का बहु-आयामी व्यक्तित्व आधुनिक भारत के निर्माण का घोषणापत्र है: सृजन साहित्य संवाद

नई दिल्ली (सब का सपना):- सृजन साहित्य संवाद द्वारा 'दलित हिस्ट्री मंथ' के अंतर्गत आयोजित 27,28,29 अप्रैल, तीन दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी के अंतिम दिन 'बाबा साहेब का बहु-आयामी व्यक्तित्व' विषय पर गहन वैचारिक विमर्श हुआ। फेसबुक लाइव के माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रम में देश-विदेश के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े विद्वानों ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के उन पहलुओं को रेखांकित किया, जो राष्ट्र निर्माण की मुख्य धारा के आधार स्तंभ हैं। कार्यक्रम की संयोजिका और सुप्रसिद्ध लेखिका अनिता भारती ने चर्चा का सूत्रपात करते हुए बाबा साहेब के महिला सशक्तिकरण की दिशा में किए गए क्रांतिकारी कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "बाबा साहेब ने न केवल महिलाओं को कानूनी अधिकार दिए, बल्कि हिंदू कोड बिल के माध्यम से उनके व्यक्तित्व की गरिमा और स्वतंत्रता का मार्ग प्रशस्त किया। वे मानते थे कि समाज की प्रगति का पैमाना महिलाओं की प्रगति है।" मुख्य वक्ता एडवोकेट सचिन धींगिया ने बाबा साहेब के विधिक एवं संवैधानिक पक्ष पर बात रखते हुए कहा कि अंबेडकर का कानून केवल सजा देने का विधान नहीं, बल्कि न्याय और समता स्थापित करने का एक जीवंत दस्तावेज है। वहीं, प्रिया गोस्वामी ने उनके पत्रकारिता वाले पक्ष को उजागर करते हुए बताया कि बाबा साहेब ने 'मूकनायक' और 'बहिष्कृत भारत' के माध्यम से पत्रकारिता को समाज के अंतिम व्यक्ति की आवाज और प्रतिरोध का माध्यम बनाया। रामजी यादव ने बाबा साहेब के सामाजिक योगदान पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब का सामाजिक दर्शन जातिगत दीवारों को तोड़कर एक ऐसे लोकतंत्र की स्थापना करना था, जहाँ बंधुत्व का भाव सर्वोपरि हो। प्रसिद्ध आलोचक जयप्रकाश फाकिर ने बाबा साहेब के आर्थिक पक्ष पर अपना वक्तव्य रखते हुए स्पष्ट किया कि वे केवल एक सामाजिक सुधारक नहीं, बल्कि एक उच्च कोटि के अर्थशास्त्री थे। भारतीय मुद्रा की समस्याओं से लेकर कृषि और श्रम सुधारों तक, उनका आर्थिक दृष्टिकोण आज भी भारत के विकास की दिशा तय करने में सक्षम है। भारत मे बौद्ध धर्म के परिप्रेक्ष्य पर चर्चा करते हुए भिक्खुनी विजया मैत्रीय ने बाबा साहेब और बौद्ध धम्म के अंतसंबंधों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने धम्म के रूप में एक ऐसा नैतिक मार्ग प्रदान किया, जो मनुष्य को मानसिक गुलामी से मुक्त कर समानता और करुणा की ओर ले जाता है। संगोष्ठी के अंत में यह निष्कर्ष निकला कि बाबा साहेब का व्यक्तित्व किसी एक परिभाषा में नहीं समाता।

वे एक साथ कानूनविद्, अर्थशास्त्री, पत्रकार और समाज सुधारक थे। सफल आयोजन के लिए सृजन साहित्य संवाद ने सभी वक्ताओं और इस आयोजन में तकनीकी सहयोग करने वाली टीम जिसमें एन प्रीति बौद्ध, सूक्ष्म क्याला ,पावेल सिंह, शांतम सिंह, राजीव आर सिंह व विशेष रूप से प्रसिद्ध कवि और साहित्यकार आर.एस. आघात तथा सब का सपना के प्रधान संपादक अनुज गोस्वामी का आभार व्यक्त किया गया।

पीएम मोदी ने गंगा एक्सप्रेस वे का किया लोकार्पण

यूपी के 12 जिलों को जोड़कर विकास को नई रफ्तार मिलेगी

बीबी नगर/बुलंदशहर (सब का सपना):- गंगा एक्सप्रेस वे के लोकार्पण के बाद उत्तर प्रदेश के विकास को नई दिशा और गति मिलने की उम्मीद है इस ऐतिहासिक अवसर पर लाडपुर में बड़े स्तर पर एलईडी स्क्रीन लगाकर लगभग करीब पांच-छह हजार लोगों की भीड़ नै प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन को वर्चुअल माध्यम से सुना गया।लोकार्पण की घोषणा होते ही पूरे क्षेत्र में उत्साह और खुशी का माहौल छा गया। लोगों ने इस परियोजना को क्षेत्र के विकास के लिए एक बड़ा और अहम कदम बताया है। गंगा एक्सप्रेसवे 12 जनपदों को आपस में जोड़ेगा। इससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश से लेकर पूर्वी उत्तर प्रदेश तक कनेक्टिविटी को नई रफ्तार मिलेगी। इससे यात्रा का भी समय काफी कम हो जाएगा। यह परियोजना व्यापार उद्योग और रोजगार के अवसरों में बढ़ोतरी प्रदान करेगा। स्थानीय लोगों के अनुसार इस एक्सप्रेसवे के बनने से बुलंदशहर सहित आसपास के कई जिलों को सीधा फायदा मिलेगा। इससे परिवहन व्यवस्था मजबूत होगी और क्षेत्रीय विकास को नई पहचान मिलेगी। धार्मिक दृष्टि से भी यह एक्सप्रेस बेहद महत्वपूर्ण है। यह सीधे संगम नगरी प्रयागराज तक भी पहुंच को आसान बनाएगा। जिससे देशभर से आने-जाने में श्रद्धालुओं को गंगा स्नान और धार्मिक आयोजनों में शामिल होने में बड़ी सुविधा मिलेगी। कुंभ और माघ जैसे मेले जैसे आयोजनों में इस एक्सप्रेसवे की अहम भूमिका निभाएगा।

कुल मिलाकर गंगा एक्सप्रेसवे के लोकार्पण पर उत्तर प्रदेश को विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। जिससे बुलंदशहर सहित पूरे प्रदेश में नई उम्मीदों को जन्म दिया है। आपको बता दें कि केंद्र सरकार व राज्य सरकार ने चार साल पहले गंगा एक्सप्रेस के नाम से सपना सजाया था। वह सपना आज पूरा हो गया है और गंगा एक्सप्रेसवे की सौगात पूरे यूपी वासियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दे दी है। कार्यक्रम में चारों तरफ मोदी और योगी की ही गूंज नजर आ रही है।

नगीना देहात में युवक की गोली मारकर हत्या, जंगल में मिला शव

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के नगीना देहात थाना क्षेत्र में उस वक्त सनसनी फैल गई जब एक युवक का गोली लगा शव जंगल में बरामद हुआ। घटना गांव जुलाहापुर की बताई जा रही है, जहां अनुज नामक युवक की अज्ञात बदमाशों द्वारा सिर में गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी गई।

मृतक का शव जंगल में पड़े होने की सूचना मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके को घेरकर जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में हत्या की आशंका जताई जा रही है, हालांकि हत्या के कारणों का अभी स्पष्ट खुलासा नहीं हो सका है। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी सिटी स्वयं मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिस टीम को जल्द से जल्द मामले के खुलासे के निर्देश दिए।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और परिजनों से पूछताछ की जा रही है। साथ ही आसपास के लोगों से जानकारी जुटाई जा रही है।

फिलहाल पुलिस विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश जारी है। इस वारदात के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है।

'पार्टी एकजुट है, दलबदल की चिंता नहीं', जालंधर में बोले अमन अरोड़ा; नेताओं के जाने को बताया 'पुरानी बात'

जालंधर। कैबिनेट मंत्री अमन अरोरा जालंधर में आम आदमी पार्टी का बैठक में पहुंचे। आम आदमी पार्टी के कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने कहा राघव चड्ढा और संदीप पाठक पार्टी के लिए 24 घंटे पुरानी बात हो चुकी है। पार्टी एकजुट है और जालंधर में आयोजित की गई मीटिंग पार्टी ऑब्जर्वर के संबंध में को लेकर है। पार्टी इस संबंध में चिंतित नहीं के कोई राघव चड्ढा और संदीप पाठक के साथ जाने वाले हैं। अमन अरोडा में इस मीटिंग को रूटीन बताया और उन्होंने कहा ये एक बड़ी मीटिंग है इसलिए मीडिया में चर्चा का केंद्र है।जालंधर में चल रही आम आदमी पार्टी की ऑब्जर्व मीटिंग में पंजाब के संयोजक मनीष सिसोदिया और बाकी कार्यकर्ता दोपहर के भजन के लिए कॉन्फ्रेंस हॉल से निकले। मनीष सिसोदिया ने कहा यह पार्टी मन में बनाने के लिए ऑब्जर्वर की मीटिंग थी, जानकारी के अनुसार मीटिंग में 55 से अधिक आम आदमी पार्टी के विधायक पहुंचे हैं।कुछ दिन पहले राघव चड्ढा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपने साथ-साथ छह और सासंदों के आप छोड़क बीजेपी में शामिल होने की बात कही थी। आम आदमी पार्टी के लिए यह बड़ी झटका था। राघव चड्ढा के साथ अशोक मित्तल, संदीप पाठक, स्वाति मालिवाल, हर भजन सिंह, राजेंद्र गुप्ता आदि बीजेपी में शामिल हो गए थे। कुछ दिन पहले बीजेपी में शामिल हुए थे सांसद राघव कुछ दिन पहले एक वीडियो शेयर करते हुए राघव चड्ढा ने आरोप लगाया था कि पार्टी का माहौल टॉक्सिक हो गया था और अब भी वे जनहित के मुद्दे उठाते रहेंगे। अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया।जिसमें उन्होंने कहा कि पॉलिटिक्स में आने से पहले मैं एक सीए था, मेरे सामने एक बेहतर करियर था, उसे छोड़कर मैं राजनीति में आया। अपना करियर को बनाने के लिए राजनीति में नहीं आया। एक पॉलिटिकल पार्टी का फाउंडिंग मेंबर बना, जिस पार्टी को मैंने अपने प्राइम यूथ के 15 साल दिए। पिछले कुछ सालों से मैं यह महसूस कर रहा था कि शायद मैं एक गलत पार्टी में एक सही आदमी हूं। इसी के चलते मेरे सामने सिर्फ तीन विकल्प थे; पहला विकल्प कि मैं राजनीति ही छोड़ दूं। दूसरा विकल्प कि मैं इसी पार्टी में रहूं और चीजें ठीक करने की कोशिश करूं, जो कि हुआ नहीं।

जालंधर में एक जुटता का प्रमाण देने के लिए आम आदमी पार्टी के नेताओं और ऑब्जर्वर ने मानव श्रृंखला बनाई।

बाद दोपहर 3:00 बजे मुख्यमंत्री भगवंत मान पार्टी सदस्यों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बात करेंगे, कॉन्फ्रेंस में शामिल नेताओं ने कहा राघव चड्ढा और पार्टी छोड़ने वाले दूसरे नेताओं पर चर्चा तक नहीं की गई। जालंधर के सीटी कॉलेज ऑफ इंस्टीट्यूट के ग्राउंड में आम आदमी पार्टी ने पासिंग रिंग गेम का आयोजन कर वर्करो में नया जोश फूंका, अब सभी जिलों का एक दूसरे के साथ रसाकस्सी का आयोजन किया जा रहा है। मनीष सिसोदिया वर्करों का उत्साह बढाते रहे।

बाली के इन मंदिरों को देखे बिना नहीं होगी इंडोनेशिया की ट्रिप पूरी

यदि बाली में सर्वश्रेष्ठ हिंदू मंदिर की बात की जाए, तो उसमें तनाह लोट मंदिर का नाम अवश्य लिया जाता है। तनाह लोट मंदिर एक पर्यटन स्थल के रूप में बहुत लोकप्रिय है। तनाह लोट मंदिर समुद्री क्षेत्र में एक बड़ी मूंगा चट्टान पर बना है।

जब भी बाली घूमने की बात होती है, तो यकीनन सबसे पहले वहां के शानदार बीचेस को एक्सप्लोर करने का ही ख्याल मन में आता है। लेकिन यहां का प्राकृतिक सौंदर्य जितना बेहतरीन है, उतने ही आकर्षक है यहां पर स्थित मंदिर। प्राचीन बाली में कई मंदिर ऊंचे इलाकों और तटों पर स्थित हैं, जो शानदार सदियों पुरानी वास्तुकला को समेटे हुए हैं। भले ही आप स्वभाव से धार्मिक हों या ना हो, लेकिन फिर भी आपको इन मंदिरों में एक बार जरूर जाना चाहिए। यह मंदिर आपको बाली के सांस्कृतिक पक्ष से रूबरू होने का मौका देते हैं, साथ ही साथ मंदिर के पीछे की दिलचस्प इतिहास को जानकर यकीनन बेहद रोमांचित होंगे। तो चलिए आज हम आपको बाली में स्थित कुछ बेहतरीन मंदिरों के बारे में बता रहे हैं–

तनाह लोट मंदिर

यदि बाली में सर्वश्रेष्ठ हिंदू मंदिर की बात की जाए, तो उसमें तनाह लोट मंदिर का नाम अवश्य लिया जाता है। तनाह लोट मंदिर एक पर्यटन स्थल के रूप में बहुत लोकप्रिय है। तनाह लोट मंदिर समुद्री क्षेत्र में एक बड़ी मूंगा चट्टान पर बना है। तनाह लोट मंदिर क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए केवल तभी पहुँचा जा सकता है जब समुद्र का पानी कम हो। समुद्र के ज्वार के समय तनाह लोट मंदिर समुद्र के बीच में स्थित प्रतीत होता है। तनाह लोट मंदिर जाने का सबसे अच्छा समय सूर्यास्त से पहले दोपहर का है। दर्शन के बाद आप यहां पर सूर्यास्त भी अवश्य देखें। तनाह लोट में सूर्यास्त का दृश्य अद्वितीय और बाली में सबसे सुंदर दृश्यों में से एक है।

उलुवातु मंदिर

उलुवातु मंदिर को बाली के लोगों द्वारा पुरा लुहुर उलुवातु भी कहा जाता है और यह बाली में छह मुख्य हिंदू मंदिरों में से एक है। उलुवातु मंदिर अपनी वास्तुकला की विशिष्टता के अलावा, उलुवातु मंदिर स्थान एक बहुत ही खड़ी चट्टान के किनारे पर स्थित है और चट्टानों की समुद्र तल से लगभग 70 मीटर की ऊँचाई है। यहां पर सूर्यास्त के दृश्य के अलावा, उलुवातु मंदिर स्थान से पर्यटक हिंद महासागर के दृश्यों को भी देख सकते हैं। यहां पर आप बाली के डांस भी अवश्य देखें, क्योंकि बाली में एकमात्र स्थान जो सूर्यास्त के दौरान बाली केकक नृत्य पेशकश करता है वह उलुवातु मंदिर में है।

उलुन दानू बेरातन मंदिर

एक झील में एक स्वर्ग, वही वास्तव में उलुन दानू है। बेदुगुल में बेराटन झील के पश्चिमी किनारे पर स्थित, यह एक प्रसिद्ध फ्लोटिंग टेम्प्ल है, और बाली आने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए एक मनोरंजक स्थान है। इसकी संरचना के अलावा, यहाँ का शांत वातावरण और पॉजिटिविटभ् आपके मन, शरीर और आत्मा को फिर से जीवंत करने के लिए एकदम सही हैं। इंडोनेशिया के बाली के सभी मंदिरों में से यह सबसे शांत मंदिरों में से एक है।

बेसकिह मंदिर

बाली के सभी हिंदू मंदिरों में से, बेसकिह यहां पर सबसे बड़ा और सबसे पवित्र मंदिर परिसर है। इसके प्रवेश द्वार से जो एक सीढ़ी की तरह लगता है जो आपको सीधे स्वर्ग में ले जाता है। यकीन मानिए, यहां का वातावरण आपको निश्चित रूप से विस्मय कर देगा! बाली, इंडोनेशिया के सभी मंदिरों में, यह निश्चित रूप से बाली के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है।

मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन है 'पचमढ़ी', घूमने के लिहाज से है बेहतरीन

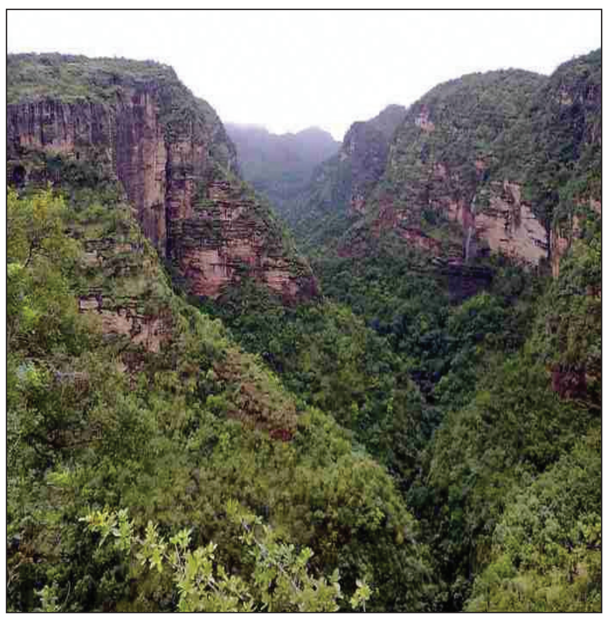

मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन, पचमढ़ी मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन है। इसे लोकप्रिय रूप से सतपुड़ा की रानी या क्वीन ऑफ़ सतपुड़ा कहा जाता है। यह हिल स्टेशन 1110 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है और यूनेस्को बायोस्फीयर रिजर्व का हिस्सा है। यह हिल स्टेशन भारतीय इतिहास में भी एक पौराणिक महत्व रखता है। माना जाता है कि यह पांडवों के निर्वासन के दौरान उनका निवास स्थान था। पचमढ़ी पर्यटन स्थलों में कई गुफाएं, झरने, पहाड़ियां, मंदिर और वन्यजीव अभ्यारण्य शामिल हैं जो मध्य प्रदेश के इस खूबसूरत हिल स्टेशन को पर्यटकों के बीच लोकप्रिय बनाते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पंचमढ़ी के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों की जानकारी देंगे –

पांडव गुफाएं

पचमढ़ी में घूमने के लिए पांडव गुफाएं सबसे अच्छी जगहों में से एक हैं। शानदार सतपुड़ा पर्वतमाला की पृष्ठभूमि के साथ, पांडव गुफा 5 रॉक–कट बौद्ध मंदिरों का एक समूह है। पौराणिक स्रोतों से पता चलता है कि पांडव अपने निर्वासन के दौरान इन मंदिरों में रुके थे, इसलिए इसका यह नाम पड़ा। 9वीं शताब्दी में बने इन मंदिरों को सुंदर मूर्तियों और नक्काशी से सजाया गया है।

बी फॉल्स

बी फॉल्स, पचमढ़ी में स्थित एक खूबसूरत झरना है। इसे जमुना प्रपात के नाम से भी जाना जाता है। यह जलप्रपात पचमढ़ी घाटी के लिए पीने का पानी उपलब्ध कराता है। यह झरना एक सुंदर भनभनाहट के साथ बहता है इसलिए इसे बी फॉल्स के नाम से जाना जाता है। स्थानीय लोगों के साथ–साथ पर्यटकों के बीच, बी फॉल्स एक लोकप्रिय पिकनिक स्पॉट के तौर पर प्रसिद्ध है। बी फॉल्स में लोग अक्सर तैराकी के लिए जाते हैं। रोमांच पसंद करने वाले लोग धारा को पार करके, बी फॉल्स के माध्यम से दूसरे स्नान कुंड रजत प्रपात तक पहुंच सकता है।

जटा शंकर गुफाएं

जटा शंकर गुफाएं, पचमढ़ी के सबसे पवित्र स्थलों में से एक हैं। प्रचलित लोककथाओं के अनुसार, यह वह स्थान माना जाता है जहां भगवान शिव ने भस्मासुर के प्रकोप से खुद को छुपाया था। जटा शंकर गुफाएं एक विशाल चट्टान की छाया के नीचे एक प्राकृतिक शिवलिंगम का दावा करती हैं। इसके साथ ही, गुफा में पत्थर का निर्माण शेषनाग से मिलता जुलता है। वहीं, गुफाओं में चट्टान का निर्माण भगवान शिव के उलझे हुए बालों से मिलता जुलता है, इसलिए इसका यह नाम पड़ा।

धूपगढ़

धूपगढ़, सतपुड़ा श्रेणी का सबसे ऊँचा शिखर है, जिसकी ऊंचाई 1350 मीटर है। यह न केवल पचमढ़ी का उच्चतम बिंदु है बल्कि मध्य प्रदेश और मध्य भारत का उच्चतम बिंदु भी है। पचमढ़ी में सूर्यास्त देखना एक अद्भुत अनुभव है। इसके अलावा, यह स्थान एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल भी है। पर्यटकों के बीच, धूपगढ़ घूमने का सबसे अच्छा मौसम मानसून के दौरान होता है। बारिश के मौसम में यह स्थान बादलों से आच्छादित होता है।

बड़ा महादेव गुफा

बड़ा महादेव गुफा, पचमढ़ी से लगभग 10 किमी दूर स्थित है। यह भगवान महादेव का एक पवित्र तीर्थ है। यह 60 फीट लंबी गुफा है, जिसके अंदर भगवान ब्रह्मा, भगवान विष्णु और भगवान गणेश के भी मंदिर हैं। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, बड़ा महादेव गुफा वह स्थान है जहां भगवान विष्णु ने एक दिव्य सौंदर्य मोहिनी का रूप लेकर राक्षस भस्मासुर का वध किया था। इसमें गुफा से लगातार पानी गिरता रहता है जो एक कुंड में जमा हो जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस कुंड में स्नान करने से कई बीमारियों का इलाज होता है।

रजत प्रपात

रजत प्रपात, पचमढ़ी का सबसे बड़ा जलप्रपात है। इस जलप्रपात का नाम रजत प्रपात इसलिए पड़ा क्योंकि जब इस पर सूरज की रोशनी पड़ती है तो यह चांदी के रंग में चमकता है। रजत प्रपात को 'सिल्वर फॉल' के नाम से भी जाना जाता है। यह झरना 107 मीटर की ऊँचाई से गिरता है। यह भारत का 30वां सबसे ऊंचा जलप्रपात है। रजत प्रपात को सतपुड़ा की रानी कहा जाता है।

शहर की भागदौड़ से ब्रेक चाहते हैं तो घूम आइए हिमाचल की इन जगहों पर

हिमाचल प्रदेश देश की सबसे सुंदर जगहों में से एक है। यह राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता, शुद्ध और शांत वातावरण और प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों के लिए जाना जाता है। हिमाचल प्रदेश में बहुत से हिल स्टेशन हैं जहाँ देश–विदेश से लोग घूमने आते हैं। यहाँ के ऊंचे पहाड़, खुले हरे मैदान, प्राचीन मंदिर–मठ और नीले पानी की झील नदियाँ पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। शहरों की भीड़–भाड़ और शोर–गुल भरी ज़िंदगी से दूर यहाँ का शांत वातावरण पर्यटकों को शांति प्रदान करता है। आज के इस लेख में हम आपको हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध हिल स्टेशनों की जानकारी देंगे। अगर आप भी घूमने का प्लान बना रहे हैं तो इन जगहों को अपनी लिस्ट में ज़रूर शामिल करें–

शिमला

शिमला हिमाचल प्रदेश की राजधानी होने के साथ–साथ हिमाचल का सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशन भी है। 2200 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह देश की सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है। शिमला का मॉल रोड, रिज, टॉय ट्रेन यहाँ आने वाले पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। शिमला में कई ऐतिहासिक मंदिर और इमारतें भी हैं जिसे देखने दूर–दूर से लोग यहाँ आते हैं। इस शहर की सुंदरता और शुद्ध वातावरण यहाँ आने पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

मनाली

मनाली हिमाचल प्रदेश के सबसे प्रसिद्ध हिल स्टेशनों में से एक है। मनाली हिमाचल के कुल्लू जिले का एक हिस्सा है और यह पीर पंजाल और धौलाधार पर्वतमाला के बर्फ से ढकी ढलानों के बीच स्थित है। समुद्र तल से 1950 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह हिल स्टेशन अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए मशहूर है। यहाँ के हरे–भरे जंगल, फूलों से सजे मैदान और नदी में बहता ताज़ा पानी पर्यटकों को इस जगह से प्यार करने पर मजबूर कर देता है। यहाँ आकर पर्यटकों को सुकून मिलता है। इस हिल स्टेशन में कई मंदिर, संग्रहालय और प्रसिद्द गाँव हैं। पर्यटक यहाँ पर ऊंचे–ऊंचे पहाड़ों पर ट्रेकिंग करते हैं और यहाँ की सुंदरता का आनंद लेते हैं।

धर्मशाला

काँगड़ा घाटी से 17 किलोमीटर दूर स्थित धर्मशाला हिमचाल प्रदेश के सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशनों में से एक है। यहाँ के बर्फ से ढके धौलाधार पर्वत श्रृंखला इस जगह की खासियत हैं और इसे देश के सबसे खूबसूरत पर्यटक स्थलों में से एक है बनाते हैं। धर्मशाला को दलाई लामा के पवित्र निवास स्थान के रूप में भी जाना जाता है। इस शहर को अलग–अलग ऊंचाई के साथ दो हिस्सों में बाँटा गया है। इसके निचले हिस्से में धर्मशाला शहर और ऊपरी हिस्से को मैकलोडगंज के नाम से जाना जाता है। धर्मशाला में तिब्बती संस्कृति देखने को मिलती है और यहाँ बौद्ध धर्म के कई पवित्र स्थल हैं।

स्पीति घाटी

समुद्री तल से 12,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित स्पीति घाटी हिमाचल प्रदेश की सबसे प्रसिद्ध जगहों में से एक है। यह घाटी चारों ओर से हिमालय से घिरी हुई है जो इस जगह को बेहद खास बनाते हैं। स्पीति घाटी में ठंडे रेगिस्तान, बर्फ से ढके पहाड़, घुमावदार सड़कें और सुरम्य घाटियाँ हैं जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। यह जगह यहाँ आने वाले पर्यटकों को उत्साह और रोमांच से भर देती है। स्पीति घाटी देश की सबसे ठंडी जगहों में से एक है और यह जगह साल के लगभग 6 महीने मोटी बर्फ से ढकी होती है।

कसौली

कसौली हिमाचल प्रदेश के सबसे मशहूर हिल स्टेशनों में से एक हैं। यह चंडीगढ़ से शिमला के रास्ते में स्थित एक छोटा सा पहाड़ी शहर है जो हिमालय पर्वत के निचले किनारों पर बसा हुआ है। हिमाचल के दक्षिण–पश्चिम भाग में स्थित कसौली शहरों की भीड़ और चकाचौंध से दूर बसा हुआ एक शांतिपूर्ण शहर है। देवदार के सुंदर जंगलो के बीच बसा कसौली शहर अंग्रेज़ों द्वारा बनाई गई भव्य विक्टोरियन इमारतों के लिए मशहूर है। कसौली की प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण इसे हिमाचल के सबसे खास पर्यटन स्थलों में से एक बनाता है।

किन्नौर

शिमला से लगभग 235 किलोमीटर की दूरी पर स्थित किन्नौर हिमाचल प्रदेश के सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशनों में से एक है। यह जगह को लैंड ऑफ़ गॉड के नाम से प्रसिद्ध है। किन्नौर सतलुज, बसपा और स्पीति नदी के बीच स्थित है और यह जगह अपने हरे–भरे मैदानों और चट्टानी पहाड़ों की सुंदरता के लिए काफी मशहूर है। किन्नौर का किन्नर कैलाश पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है और यहाँ आए पर्यटक किन्नर कैलाश देखने जरुर जाते हैं। माना जाता है कि किन्नर कैलाश भगवान शिव और शिवलिंग का है और इसके साथ ही इस पर्वत का संबंध पांडवों की कहानियों से बताया जाता है। किन्नौर में कई पुराने बौद्ध मठ और मंदिर भी हैं जो बहुत पवित्र माने जाते हैं और इन्हें देखने दूर–दूर से पर्यटक यहाँ आते हैं।

टीवी शो 'जाने अनजाने हम मिले' में नेगेटिव किरदार निभा रही हैं गौरी अग्रवाल

टीवी शो 'जाने अनजाने हम मिले' में कीर्ति का किरदार निभा रही अभिनेत्री गौरी अग्रवाल ने अपने रोल में आए बड़े बदलाव को काफी चुनौतीपूर्ण बताया। शुरुआत में पॉजिटिव और प्यारी लड़की के रूप में दिखाई गई कीर्ति अब पूरी तरह नेगेटिव किरदार में बदल चुकी है। इस बदलाव ने गौरी को अभिनय के नए आयाम सिखाए हैं। गौरी अग्रवाल ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि किरदार में यह बड़ा ट्रांसफॉर्मेशन उनके लिए फिजिकली और इमोशनली दोनों तरह से बहुत डिमांडिंग रहा है। उन्होंने कहा, 'शुरुआत में कीर्ति बहुत पॉजिटिव थी, लेकिन धीरे-धीरे उसका किरदार ग्रे शेड्स में बदलता गया और अब वह पूरी तरह नेगेटिव हो चुकी है। मुझे लगातार खुद को याद दिलाना पड़ता है कि जो कुछ कीर्ति कर रही है, वह उसके किरदार की सोच के अनुसार है, भले ही व्यक्तिगत रूप से मुझे उन कामों को सही ठहराना बहुत मुश्किल लगे।' गौरी ने कुछ मुश्किल सीन्स का जिक्र करते हुए बताया, 'कुछ सीन ऐसे थे जहां मेरी अपनी नैतिकता मुझे रोक रही थी। उन सीन्स को पूरी शिद्दत से करना मेरे लिए भावनात्मक रूप से बहुत कठिन था। एक अभिनेत्री के रूप में मुझे समझना था कि मैं सिर्फ अपने किरदार के सफर को आगे बढ़ा रही हूं। ऐसे सीन इमोशनली और फिजिकली दोनों तरह से काफी चुनौतीपूर्ण रहे, क्योंकि मुझे यह सुनिश्चित करना होता था कि सीन असली लगें, लेकिन किसी भी हद को पार न करें।' अभिनेत्री ने आगे कहा कि नेगेटिव किरदार बनने के बाद कीर्ति के इंटेंस फैसलों को समझना और इमोशनल स्तर पर उन्हें स्वीकार करना उनके लिए लगातार चलने वाली प्रक्रिया रही है। कीर्ति जिस हद तक जाती है, रीत और राघव को नुकसान पहुंचाना, गुस्सा दिखाना या खुद को चरम की स्थिति में ले जाना, यह सब बहुत खतरनाक है। इन चीजों को समझना और इमोशनली सही ठहराना मेरे लिए काफी मुश्किल रहा है। टीवी शो 'जाने अनजाने हम मिले' में गौरी अग्रवाल के साथ भारत अहलावत राघव का किरदार निभा रहे हैं, जबकि आयुषी खुराना रीत की भूमिका में हैं।

जैकी भगनानी के सिचुएशनशिप वाले बयान पर रकुल प्रीत ने दी सफाई

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत और एक्टर, प्रोड्यूसर जैकी भगनानी साल 2024 में शादी के बंधन में बंधे थे। इससे पहले दोनों रिलेशनशिप में भी रहे। दोनों एक-दूसरे को अच्छे से जानते समझते हैं और प्यार करते हैं। लेकिन जैकी भगनानी के हालिया इंटरव्यू ने फैंस के मन में इनके रिश्ते को लेकर सवाल खड़े कर दिए। दरअसल, जैकी भगनानी ने रकुल के साथ अपने रिश्ते को सिचुएशनशिप का नाम दिया। सिचुएशनशिप का नाम उस रिश्ते को दिया जाता है, जिसे लेकर भविष्य में कोई प्लानिंग कपल नहीं बनाना चाहते हैं। इस पूरे मामले पर अब रकुल ने भी अपना नजरिया रखा है। जानिए, जैकी भगनानी के बयान पर वह क्या बोली हैं?

रकुल प्रीत ने अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात की

जैकी भगनानी के सिचुएशनशिप वाले बयान पर बढ़ते बवाल को देखते हुए शुक्रवार को रकुल प्रीत ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट की। इसमें वह लिखती हैं, 'आज हम इस बात पर खूब हंसे कि कैसे एक घंटे लंबी बातचीत में से सिर्फ एक लाइन अचानक से सुर्खियां बन जाती है। मेरा मानना है कि हर बात में संदर्भ मायने रखता है। बारीकियां मायने रखती हैं। हमारी बातचीत इससे बेहतर की हकदार है, उसे सिर्फ क्लिकबेट बनाकर रख दिया गया। शायद अब समय आ गया है कि प्लेटफॉर्म उन कहानियों के लिए थोड़ी और जिम्मेदारी लें जो वे बनाते हैं।'

आखिर जैकी भगनानी ने क्या बयान दिया था

बीते दिनों एक इंटरव्यू जैकी भगनानी और रकुल ने दिया था। इसी बातचीत में जैकी भगनानी ने कहा था, 'रकुल और मैं शादीशुदा हैं, लेकिन हमारा रिश्ता एक तरह का सिचुएशनशिप है। हम एक-दूसरे के लिए ही बने हैं, शादी इसी वजह से हुई है। लेकिन सबसे खास बात यह है कि मैं रकुल से हर बात खुलकर कह सकता हूं। अगर रकुल के आस-पास होने पर मेरी कोई एक्स गर्लफ्रेंड मुझे फोन करती है, तो मैं फोन स्पीकर पर डाला देता हूं। मैं अपनी पत्नी से कुछ भी नहीं छिपाता। इसलिए मुझे अपने रिश्ते में घुटन महसूस नहीं होती है।'

रकुल प्रीत का करियर फ्रंट

रकुल प्रीत के करियर की बात करें तो जल्द ही उनकी एक फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' रिलीज होगी। इस फिल्म में आयुष्मान खुराना, वामिका गब्बी, सारा अली खान जैसे एक्टर्स भी नजर आएंगे। यह फिल्म 15 मई को रिलीज होगी।

अहान शेट्टी ने अपनी अपकमिंग फिल्म का टाइटल किया फाइनल

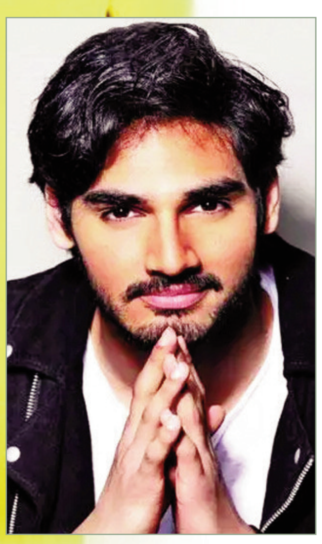

सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी ने अपनी अपकमिंग फिल्म का टाइटल फाइनल कर लिया है। अब जल्द वो निर्देशक टीनू देसाई के साथ अपने इस नए प्रोजेक्ट पर काम करेंगे। अहान ने बड़े ही आराम से इसे साजिद नाडियाडवाला से मांगकर अपने नाम रजिस्टर करवा किया। सुनने में आया है कि अहान ने यह टाइटल निर्माता साजिद नाडियाडवाला से सीधे जाकर मांग लिया। इंडस्ट्री में आमतौर पर ऐसे फैसले अंतरिक चर्चाओं और काफी बातचीत के बाद लिए जाते हैं। मगर अहान ने ऐसा नहीं किया। वो सीधे जाकर निर्माता साजिद नाडियाडवाला से मिले और टाइटल को लेकर बात की। साजिद पहले इसे किसी और फिल्म में उपयोग करने वाले थे। खबरों के अनुसार वो फिल्म भी अहान शेट्टी की ही थी पर अहान ने साजिद को बताया कि वो इस टाइटल को अपने दूसरे प्रोजेक्ट में उपयोग करना चाहते हैं।

परब्रमता चटर्जी के साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है

कई बार शूटिंग के दौरान कलाकारों के बीच अच्छी बॉन्डिंग दिखने लगती है। ऐसी ही दोस्ती अभिनेत्री निमृत कौर अहलूवालिया और बंगाली अभिनेता परब्रमता चटर्जी के बीच देखने को मिली। दोनों इन दिनों एक नई थ्रिलर-एक्शन वेब सीरीज की शूटिंग कर रहे हैं। निमृत ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने अपने को-स्टार की जमकर तारीफ की और उन्हें सबसे अच्छा इंसान बताया। निमृत कौर अहलूवालिया ने अपने इंस्टाग्राम पर एक सेल्फी शेयर की, जो नैनिताल की शूटिंग के दौरान ली गई है। इस तस्वीर में वह और परब्रमता चटर्जी साथ खड़े नजर आ रहे हैं और कैमरे की तरफ मुस्कुराते हुए दिख रहे हैं। तस्वीर में उनकी दोस्ती साफ दिख रही है। इस फोटो के साथ निमृत ने कैप्शन में लिखा, ''परब्रमता चटर्जी इस दुनिया के सबसे अच्छे लोगों में से एक हैं और उनके साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है।'' फिलहाल इस नई वेब सीरीज का नाम अभी सामने नहीं आया है और इसके बारे में ज्यादा जानकारी भी गोपनीय रखी गई है। फिल्म की शूटिंग पिछले हफ्ते शुरू हो चुकी है और इसे एक थ्रिलर-एक्शन कहानी के रूप में बनाया जा रहा है। इससे पहले फरवरी में

खबर आई थी कि निमृत एक नई थ्रिलर सीरीज में नजर आएंगी, जिसका नाम 'अब होगा हिसाब' बताया जा रहा है। इसकी कहानी पंजाबी संस्कृति से जुड़ी होगी। इस शो में संजय कपूर, शहीर शेख और मौनी रॉय जैसे बड़े कलाकार भी शामिल हैं। इस सीरीज को एरे स्टूडियो प्रोड्यूस कर रहा है और इसका निर्देशन दिव्यांशु मल्होत्रा कर रहे हैं। कहानी एक रहस्य और बदले पर आधारित है, जिसमें इंसानी भावनाएं, सत्ता की लड़ाई और छिपे हुए राज दिखाए जाएंगे। इस कहानी में निमृत का किरदार काफी अहम बताया जा रहा है। बता दें कि निमृत इससे पहले पंजाबी फिल्म 'शौकी सरदार' में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ गुरु रंधावा, बब्बू मान और गुग्गू गिल जैसे कलाकार भी थे।

'धूम 4' और 'ब्रह्मास्त्र 2' को लेकर रणबीर ने शुरू की तैयारी

अपनी आगामी फिल्म 'रामायण' में प्रभु राम की भूमिका से रणबीर कपूर ने अपनी नई झलक से इंटरनेट पर धूम मचा दी है। यह फिल्म इसी साल दिवाली पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फैंस बेसब्री से रणबीर को भगवान राम के रूप में देखने का इंतजार कर रहे हैं। अभी रणबीर 'रामायण' और 'लव एंड वॉर' फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि इन दोनों फिल्मों के बाद रणबीर किस बड़े प्रोजेक्ट पर काम करने वाले हैं? इन दोनों रणबीर कपूर 'रामायण भाग 1' और 'लव एंड वॉर' फिल्मों की शूटिंग कर रहे है, जो लगभग अक्तूबर 2026 तक पूरी होने की उम्मीद है। शूटिंग खत्म होने से पहले ही रणबीर ने अगली फिल्मों की योजना बनाना शुरू कर दिया है।

रणबीर संदीप रेड्डी वांगा कि 'एनिमल पार्क' से पहले एक और बड़े प्रोजेक्ट पर करना चाहते हैं, जिसकी शूटिंग 2027 के आखिर में शुरू हो सकती है। एक खबर के अनुसार, रणबीर कई स्क्रिप्ट पढ़ रहे हैं। उनमें दो बड़ी फिल्में सबसे मजबूत दावेदार हैं। पहली- अयान मुखर्जी की 'ब्रह्मास्त्र 2' और दूसरी यश राज फिल्म्स की 'धूम 4'। रणबीर ने दोनों फिल्मों के मूल आइडिया सुन लिए हैं। दोनों की कहानी उन्हें पसंद आई है। लेकिन वे पूरी लिखित स्क्रिप्ट पढ़ने के बाद ही कोई फैसला लेंगे।

'धूम 4' शुरुआती स्टेज में है। अभी डायरेक्टर भी फाइनल नहीं हुआ है। 'ब्रह्मास्त्र 2' में कास्टिंग की समस्या आ रही है। दीपिका पादुकोण अमृता का रोल करने वाली थीं, लेकिन दोबारा प्रेगनेंसी की वजह से अब दूसरी अभिनेत्री की तलाश की जा रही है। दरअसल, रणबीर 'रामायण 2' और 'एनिमल पार्क' के बीच के समय में एक बड़ी फिल्म करना चाहते हैं। फिलहाल, 'ब्रह्मास्त्र 2' को थोड़ी ज्यादा प्राथमिकता मिल रही है। हो सकता है कि जून 2026 तक रणबीर अंतिम स्क्रिप्ट पढ़कर अपना फैसला ले लेंगे।

मैं शुरू से क्लियर थी कि जब मैं फिल्म प्रोड्यूस करूंगी तो उसमें खुद एक्टिंग नहीं करूंगी

एक्टिंग के बाद फिल्म निर्माण में कदम रखने वाली बॉलीवुड अदाकाराओं में अब पत्रलेखा का नाम भी जुड़ चुका है। हाल ही बतौर प्रोड्यूसर पत्रलेखा की पहली फिल्म 'टोस्टर' आई है। इसमें उनके पति राजकुमार राव और सान्या मल्होत्रा लीड रोल में हैं। फिल्म को अच्छा रेस्पॉन्स भी मिल रहा है।

पत्रलेखा कहती हैं कि उन्होंने पहले ही सोच रखा था कि वह अपनी फिल्म में एक्टिंग नहीं करेंगी। उनकी यह फिल्म एक कंजूस आदमी की कहानी है। बात निकली तो एक मजेदार सवाल ये भी पूछा गया कि राजकुमार राव और उनमें, असल जिंदगी में ज्यादा कंजूस कौन है? 36 साल की नई-नवेली मां ने इसका भी जवाब दिया।

मैं 2017 से ही प्रोड्यूसर बनना चाहती थी

पत्रलेखा 'टोस्टर' के बनने और प्रोड्यूसर बनने के बारे में बताती हैं, 'हम दोनों (राज और वह) साल 2017 से ही प्रोड्यूसर बनना चाहते थे, मगर बीच में कोविड महामारी आ गई तो वह नहीं हो पाया, लेकिन मैं शुरू से क्लियर थी कि जब मैं फिल्म प्रोड्यूस करूंगी तो उसमें खुद एक्टिंग नहीं करूंगी, क्योंकि कैमरे के पीछे भी मैं जो करूंगी अच्छे से करूंगी।' मेरे लिए आसानी यह रही कि डायरेक्टर विवेक दास चौधरी से लेकर सान्या मल्होत्रा, फराह खान, हम सब दोस्त हैं। राज तो घर का ही एक्टर है तो ज्यादा मुश्किल नहीं हुई। अब जब आगे मैं कैमरे के आगे कोई रोल करूंगी, तब भी यह अनुभव बहुत काम आएगा।

प्रोडक्शन में 365 दिन 24 घंटे काम होता है

बकौल पत्रलेखा, 'मेरी जिंदगी का मकसद ही यह है कि मैं शायद 10 चीजें न करूं, एक ही चीज करूं, मगर उसमें मैं अपना 100 पर्सेंट दूंगी तो मैंने सोच रखा था कि मैं कैमरे के आगे नहीं रहूंगी। सच कहूं तो मुझे इस जर्नी में बहुत मजा आया। बतौर एक्टर हमें पता नहीं होता कि फिल्म बनाने में कितना काम होता है। प्रोडक्शन में 365 दिन 24 घंटे काम होता है। मेरे लिए आसानी यह रही कि डायरेक्टर विवेक दास चौधरी से लेकर सान्या मल्होत्रा, फराह खान, हम सब दोस्त हैं। राज तो घर का ही एक्टर है तो ज्यादा मुश्किल नहीं हुई। मुझे लगता है कि अब जब आगे मैं कैमरे के आगे कोई रोल करूंगी, तब भी यह अनुभव बहुत काम आएगा।'

राजकुमार नहीं, मैं हूं कंजूस

'टोस्टर' में राजकुमार राव एक महा कंजूस पति की भूमिका में हैं। क्या असल जिंदगी में भी वह ऐसे हैं? इस सवाल के जवाब में पत्रलेखा पूरी ईमानदारी और बेबाकी से कहती हैं, 'नहीं, राज बिलकुल कंजूस नहीं है। हम दोनों में से मैं कंजूस हूं।' वह आगे हंसते हुए बताती हैं, 'मैंने तो ऐसा भी किया है कि फिल्म के डायरेक्टर विवेक, जो मेरे बचपन के दोस्त हैं, मैं उसको बोलती थी कि मुझे खाना खिलाने लेकर चल और जब बिल देने की बारी आती थी तो मैं उसको बिल पकड़ाकर चली जाती थी।' पत्रलेखा और राजकुमार राव पहले दोस्त थे। फिर लाइफ पार्टनर बने। दोनों साल 2010 से ही साथ हैं। जबकि 15 नवंबर 2021 को दोनों ने पति-पत्नी के रूप में जीवन की नई पारी शुरू की। अब उनकी जिंदगी में बेटी पार्वती पॉल राव भी है। यह भी दिलचस्प संयोग है कि बेटी का जन्म उनकी शादी की चौथी सालगिरह पर 15 नवंबर 2025 को हुआ। क्या माता-पिता बनने के बाद दोनों के आपसी रिश्ते बदले हैं। इस पर पत्रलेखा कहती हैं, 'नहीं। पैरेंट्स बनने के बाद भी राज और मैं बिल्कुल नहीं बदले हैं। हम पहले दिन से दोस्त हैं और आज भी दोस्त है। हमारे रिलेशनशिप के चलने की वजह भी यही है कि हम बहुत अचछे दोस्त हैं।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।